दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 351 | ग्वालियर, रविवार 01, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

भदोही में घर में घुसकर नवविवाहिता से बलात्कार, विरोध करने पर मुंह दबाकर किया जबरदस्ती

भदोही। जिले के औराई थाना क्षेत्र में घर में अकेली पाकर एक 20 वर्षीय नवविवाहिता से एक व्यक्ति ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। औराई थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सच्चिदानंद पांडेय ने मामले में दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव में 26 अगस्त की देर शाम यह घटना तब हुई जब पीड़ित महिला (20) का पति घर से कहीं बाहर गया था और वह घर पर अकेली थी। पांडेय ने बताया कि घमहापुर गांव निवासी राहुल (28) ने महिला को पैसे का प्रलोभन देकर पहले अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया, लेकिन उसके विरोध करने पर उसका मुंह दबाकर उससे बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि महिला ने पति के आने पर घटना के बारे में बताया और इसके बाद दोनों ने शुक्रवार को थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पांडेय ने कहा कि महिला की तहरीर के आधार पर एक दूसरे समुदाय के आरोपी राहुल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 [1] (बलात?कार), 351[2] (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

लड़के ने दोस्त की नाबालिग बहन के साथ किया दुष्कर्म

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 14 साल के लड़के ने पड़ोस की 5 साल की लड़की के साथ दुष्कर्म किया। जैसे ही इस घटना की जानकारी पुलिस को मिली, वह तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने नाबालिग बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसके माता-पिता की मौजूदगी में बच्ची से बातचीत की गई। यह घटना दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के एक इलाके की है। 14 साल का आरोपी लड़का घर में अकेली पांच साल की बच्ची को देख उसके साथ बलात्कार जैसा जघन्य अपराध कर बैठा। पीड़िता के माता-पिता के अनुसार, वे दोनों मजदूर हैं और जिस समय यह अपराध हुआ, तब उनकी बेटी घर पर अकेली थी। आरोपी लड़के को इस बात की पूरी जानकारी थी कि बच्ची घर में अकेली है, और इसी का फायदा उठाते हुए उसने इस घटना को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा 65(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी लड़के को सुधार गृह भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पीड़ित परिवार का पड़ोसी था और शिकायतकर्ता के दोस्त का बेटा था। इस प्रकार की जानकारी से यह भी पता चलता है कि आरोपी और पीड़ित परिवार के बीच का संबंध बहुत करीब था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है, ताकि सभी तथ्य सामने आ सकें और न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

महाराजगंज के वन विभाग की टीम ने कुशीनगर में की छापेमारी,ग्राम

कुशीनगर- जिले में महाराजगंज वन विभाग की टीम ने आज छापेमारी की। इस दौरान जंगल से काटी गई कुल 6 बोटा लकड़ी गुलहरिया रेगुलेटर से बरामद किया। वहीं पास के बगीचे में भी छुपाकर रखी गई बिना परमिट के अन्य 50 बोटा लकड़ी भी वन विभाग की टीम ने जप्त कर लिया। इसी के साथ मुखबिर की सूचना पर ढोलहां ग्राम सभा के ग्राम प्रधान के घर भी महाराजगंज की वन विभाग टीम ने घंटो छापेमारी की। इस दौरान तीन बोटा सागवान की लकड़ी बरामद हुई जिसको लेकर किसी तरीके का पेपर मौके से नहीं दिखाया गया। विभाग ने इन तीन बोटा लड़कियों को भी जप्त कर लिया है। ऐसे में कुल लगभग 60 बोटा के करीब प्रतिबंधित सागवान की लकड़ी वन विभाग की टीम ने बरामद किया है। जिसकी कुल कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। महाराजगंज जिले के वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद से लकड़ी तस्करों में भय का माहौल व्याप्त है, ऐसे में अब यह सवाल उठा रहा है कि जहां महाराजगंज की वन विभाग टीम कुशीनगर में दाखिल होकर के लगातार कार्रवाई कर रही है तो कुशीनगर की वन विभाग टीम क्या कर रही है। सूत्रों की माने तो खड्डा वन रेंज के ढोलहां क्षेत्र में आए दिन प्रतिबंधित पेड़ों का कटान होता रहता है, ऐसे में सवाल यह है कि खड्डा वन रेंज के अधिकारी अवैध रूप से प्रतिबंध पेड़ों को काटने वाले तस्करों पर कार्रवाई कब करेगा।

नई दिल्ली के नए मुख्य सचिव होंगे धर्मेंद्र, नरेश कुमार की लेंगे जगह

नई दिल्लीः केंद्र ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी धर्मेंद्र को शनिवार को दिल्ली सरकार का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के एजीएमयूटी कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ अधिकारी धर्मेंद्र इस पद पर नियुक्त होने से पहले अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव थे। वह अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं और फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्य सचिव का प्रभार संभाल रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के शनिवार को जारी आदेश के अनुसार, ''सक्षम प्राधिकरण की स्वीकृति के साथ आईएएस (एजीएमयूटी 1989) धर्मेंद्र का अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली तबादला किया जाता है और एक सितंबर 2024 या उनकी नियुक्ति की तारीख से उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का मुख्य सचिव नियुक्त किया जाता है।

पंचायती राज संस्थाओं के 141 पदों के लिए होंगे उपचुनाव, अधिसूचना जारी

शिमला (भूपिन्द्र)। हिमाचल प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायती राज संस्थाओं के अलग-अलग 141 पदों के लिए उपचुनावों की अधिसूचना जारी कर दी है। मतदान 29 सितम्बर को सुबह 8 बजे से सायं 4 बजे तक होगा। जिन पदों के लिए चुनाव होने हैं, उनमें 9 पद ग्राम पंचायत प्रधान, 17 उपप्रधान, 1 पंचायत समिति सदस्य, 2 जिला परिषद सदस्य तथा 112 पंचायत के वार्ड सदस्य शामिल हैं। चुनावी अधिसूचना जारी होने के साथ ही इन क्षेत्रों में चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 11 से 13 सितम्बर तक सुबह 11 बजे से सायं 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की छंटनी 16 सितम्बर को होगी तथा 18 सितम्बर को सुबह 10 बजे से सायं 3 बजे तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की वापसी के तत्काल बाद चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी की जाएगी तथा प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आबंटित कर दिए जाएंगे तथा 29 सितम्बर को सुबह 8 बजे से सायं 4 बजे तक वोट डाले जाएंगे। चुनावों के लिए पोलिंग स्टेशन के नाम भी 11 सितम्बर को जारी कर दिए जाएंगे। पंचायत प्रधान, उपप्रधान व वार्ड सदस्यों के मतों की गणना मतदान के तुरंत बाद ग्राम पंचायत मुख्यालय पर की जाएगी जबकि

पंचायत समिति सदस्य व जिला परिषद सदस्य की मतगणना 30 सितम्बर को संबंधित विकास खंड कार्यालय में सुबह 9 बजे शुरू होगी।

हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों की कुछ सीटों पर ये उपचुनाव होने हैं। इसमें जिला बिलासपुर में 10, चम्बा में 8, हमीरपुर में 15, कांगड़ा में 44, किन्नौर में 1, कुल्लू में 4, लाहौल-स्पीति में 6, मंडी में 21, शिमला में 14, सिरमौर में 4, सोलन में 4 तथा जिला ऊना में 10 सीटों के लिए उपचुनाव होंगे। इसके तहत जिला बिलासपुर में 3 प्रधान व 7 वार्ड सदस्य, जिला चम्बा में 3 उपप्रधान, 5 वार्ड सदस्य, हमीरपुर में 1 प्रधान, 2 उपप्रधान, 11 वार्ड सदस्य व 1 जिला परिषद सदस्य, जिला कांगड़ा में 5 उपप्रधान, 38 वार्ड सदस्य व 1 पंचायत समिति सदस्य, किन्नौर में 1 उपप्रधान व 3 व वार्ड सदस्य, लाहौल-स्पीति में 5 वार्ड सदस्य व 1 जिला परिषद सदस्य, मंडी में 3 प्रधान, 3 उपप्रधान व 15 वार्ड सदस्य, शिमला में 1 उपप्रधान व 13 वार्ड सदस्य, सिरमौर में 1 प्रधान व 3 वार्ड सदस्य, सोलन में 4 वार्ड सदस्य, ऊना में 1 प्रधान, 1 उपप्रधान व 8 वार्ड सदस्य के पदों के लिए उपचुनाव होने हैं। ग्राम पंचायत प्रधान, उपप्रधान व वार्ड सदस्यों के चुनावों के लिए पूरी ग्राम पंचायत में आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। इसी तरह पंचायत समिति सदस्य के चुनाव के लिए संबंधित पंचायत समिति के सभी वार्डों तथा जिला परिषद सदस्यों के उपचुनाव के लिए संबंधित जिला परिषद के वार्डों में आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

नितिन गडकरी ने की नई ट्रांसपोर्ट पॉलिसी की घोषणा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नई ट्रांसपोर्ट पॉलिसी की घोषणा की है, जिसमें अगले दो वर्षों में दो महत्वपूर्ण बदलाव लागू होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, 2025 से हल्के वाहनों और 2026 से भारी वाहनों के लिए नए नियम प्रभावी होंगे, जिनसे सड़क हादसों में कमी आने की संभावना है। सिट बेल्ट अलार्म सिस्टम- 31 मार्च 2025 के बाद बने हल्के निजी और सार्वजनिक वाहनों में फ्रंट और बैक सीट्स के लिए सीट बेल्ट अलार्म सिस्टम को अनिवार्य कर दिया जाएगा। हालांकि, पिछली सीटों पर बैठने वालों के लिए सीट बेल्ट लगाना पहले से ही अनिवार्य है और इसका उल्लंघन करने पर 1,000

रुपए का चालान होता है, लेकिन सभी वाहनों में अलार्म सिस्टम का होना जरूरी नहीं था। सीट बेल्ट का प्रावधान- बसों, ट्रेवलरों और मिनी बसों में सीट बेल्ट अनिवार्य होगी। हर सीट पर बेल्ट का होना जरूरी होगा, और इसके लिए सीट बेल्ट अलार्म सिस्टम को लागू किया जाएगा। सड़क इंजीनियरिंग में सुधार- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क इंजीनियरिंग में सुधार किया जाएगा। इसके तहत, मौजूदा राजमार्गों की डिजाइन को ठीक किया जाएगा और नए राजमार्गों को मंजूरी देने से पहले उनकी कंप्यूटरीकृत इमेज की समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने बताया कि सड़क निर्माण में पाई गई खामियों जैसे शार्प टर्न, स्पीड ब्रेकर और खराब निर्माण सामग्री को भी ठीक किया जाएगा। इस नई पॉलिसी से उम्मीद की जा रही है कि सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायलों और मृतकों की संख्या में कमी आएगी और सड़क सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जाएगा।

ग्लोबल वार्मिंगः वैश्विक तापमान ने बढ़ाई चिंता : राजीव आचार्य

नई दिल्ली। इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन मुंबई के सदस्य और पर्यावरणविद् राजीव आचार्य बयान देते हुए कहा कि इस वर्ष 2024 में वैश्विक तापमान में हुई वृद्धि ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रति पूरे विश्व में चिंता बढ़ा दी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की स्टेट ऑफ द ग्लोबल ?क्लाइमेंट की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है कि अगस्त 2024 में वैश्विक औसत तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया, जो पेरिस समझौते में निर्धारित लक्ष्य से काफी ऊपर है। यह रिपोर्ट बताती है कि इस तापमान में इस वृद्धि का कारण मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और बढ़ता औद्योगीकरण है। इसके कारण पूरे विश्व में तेजी से पर्यावरण में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राजीव आचार्य के अनुसार, ÷हम ज़्यादा गर्म दिन, ज्यादा गर्म महीने और ज्यादा गर्म साल का अनुभव कर रहे हैं। तापमान में ये वृद्धि हमारे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण हो रही है और दुनियाभर के लोगों और पारिस्थितिकी तंत्रों पर इसका असर पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव केवल मौसम के तापमान तक ही सीमित नही है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन क्लाइमेट प्रेडिक्शन सेंटर के वैज्ञानिकों ने जुलाई से सितंबर के बीच ला नीना के विकसित होने की 69प्रतिशत संभावना का अनुमान लगाया है। राजीव आचार्य कहते हैं कि नेशनल ओशिएनिक एंड एटमोस्फरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) द्वारा जारी ग्लोबल ओशियन सर्फेस टेम्परेचर रिपोर्ट में भी समुद्र की सतह के तापमान में रिकॉर्ड वृद्धि होने की जानकारी दी है। अगस्त 2024 में समुद्र की सतह का औसत तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया । इस तापमान वृद्धि का समुद्री जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है, जिससे मछली उद्योग और समुद्री जनजीवन खतरे में आ सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि यह वृद्धि समुद्री तूफानों की तीव्रता को बढ़ा सकती है, जिससे तटीय क्षेत्रों में विनाशकारी बाढ़ और आपदाएं हो सकती हैं। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में इन संकटों का सामना करना और भी कठिन हो जाएगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा अगस्त में जारी जलवायु परिवर्तन की रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि का क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित है, जो भारत की जीडीपी का 15न्न है और इसकी लगभग 40न्न आबादी को रोजगार देता है, जिसमें से 70न्न ग्रामीण परिवार हैं। 2015 और 2021 के बीच भारत ने भारी बारिश के कारण 33.9 मिलियन हेक्टेयर फसलों का नुकसान उठाया और सूखे के कारण अतिरिक्त 35 मिलियन हेक्टेयर फसलें खो दीं। रिपोर्ट में चेताया गया कि यदि यही स्तिथि रही तो 2050 तक 45 मिलियन लोग जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप अपने घरों से पलायन करने को मजबूर हो जाएंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने अमेरिका में किया एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट के दफ्तरों का दौरा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अमेरिका में एप्पल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के कार्यालयों का दौरा किया और वहां निवेश व साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। उनकी अमेरिका यात्रा के दूसरे दिन उन्होंने नान मुधलवन योजना के तहत गूगल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत गूगल तमिलनाडु में 20 लाख युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित कौशल प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने निवेश और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की और तमिलनाडु को एशिया के प्रमुख विकास क्षेत्रों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान गूगल के साथ तमिलनाडु में एआई प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस पहल से युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सरकारी प्रेस रिलीज के अनुसार, स्टालिन ने गूगल के माउंटेन व्यू परिसर में गूगल के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और तमिलनाडु में निर्मित पिक्सल-8 फोन के उत्पादन विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने तमिलनाडु में गूगल के अन्य उत्पाद और प्रौद्योगिकी सुविधाओं को शुरू करने के विषय में भी बात की। मुख्यमंत्री ने एआई नवाचारों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और भविष्य की क्षमता को लेकर भी चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने एप्पल इंक के कार्यालय का दौरा किया और कंपनी के अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि राज्य को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण मानचित्र में स्थान दिलाने के लिए एप्पल के योगदान की सराहना की। स्टालिन ने एप्पल को तमिलनाडु में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और राज्य के विनिर्माण माहौल में सुधार के लिए तमिलनाडु सरकार की विभिन्न पहल को रेखांकित किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री टी. आर. बी. राजा और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री और मंत्री ने एप्पल के योगदान की सराहना की और राज्य के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल की जानकारी दी।

खुद को ईश्वर का पुत्र कहने वाले बाबा की अय्याशी का सीक्रेट लीक

फिलीपींस में एक विवादास्पद धार्मिक नेता अपोलो क्विबोलोय के आश्रम पर पुलिस ने बड़े पैमाने पर छापा मारा, जिसके दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। खुद को ÷ईश्वर का पुत्र÷ कहने वाले क्विबोलोय के आश्रम में एक गुप्त मार्ग का पता चला, जो कथित तौर पर सेक्स स्लेव के लिए बनाए गए एक तहखाने तक जाता था। इस तहखाने में एक भव्य लाउंज मिला, जिसका दरवाजा इस तरह से बनाया गया था कि वह दीवार जैसा दिखता था। इस 75 एकड़ के विशाल परिसर में रास्ते भूलभुलैया की तरह हैं, और पुलिस को वहां कई संदिग्ध गतिविधियों का पता चला। अपोलो क्विबोलोय, जो फिलीपींस के दावो सिटी से ताल्लुक रखते हैं, पर कई जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप है। उनकी किंगडम ऑफ जीसस क्राइस्ट चर्च नामक संस्था के 60 लाख से अधिक फॉलोवर्स हैं। अमेरिका में भी क्विबोलोय पर धोखाधड़ी और बच्चों की यौन तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। पुलिस ने इस बड़े ऑपरेशन के लिए 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया था। एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर छापा मारकर पुलिस ने दो महिलाओं को बचाया, जिन्हें कथित तौर पर सेक्स स्लेव के रूप में बंदी बनाकर रखा गया था। इसके अलावा, पुलिस को संदेह है कि परिसर के अंदर

और भी कई कट्टरपंथी अनुयायी छिपे हो सकते हैं, जिनका पता लगाने के लिए रडार का भी इस्तेमाल किया गया। आंतरिक सचिव बेनहुर अबालोस ने कहा कि सरकार दावो सिटी के इंजीनियरिंग कार्यालय से आश्रम का नक्शा प्राप्त कर रही है ताकि निर्माण नियमों के उल्लंघन की जांच की जा सके। हालांकि, क्विबोलोय ने सभी आरोपों से इनकार किया है और इसे शैतान के एजेंटों की साजिश बताया है। वह पहले से ही एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हैं और उनके खिलाफ नवंबर 2021 में यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। यह भी आरोप लगाया था कि क्विबोलोय ने महिलाओं को निजी सहायक या पादरी के रूप में काम करने के लिए भर्ती किया, जिनसे घर के काम, मसाज, और रात में यौन संबंध बनाने जैसे काम करवाए जाते थे। इसे क्विबोलोय ÷हृद्बद्दद्धह्ल छ्व्रह्ल4÷ कहता था। हालांकि, पुलिस की छापेमारी के बाद क्विबोलोय ने खुद को निर्दोष बताया और कानून का सामना करने की बात कही, लेकिन इसके बाद वह अचानक से गायब हो गया है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस बीच, क्विबोलोय के समर्थक इस छापेमारी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं, जिसमें अब तक 18 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, और 6 पुलिस वाले घायल हुए हैं। क्विबोलोय की गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कार्रवाई ने फिलीपींस और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। कई लोगों के लिए यह मामला एक गंभीर चेतावनी है कि धार्मिक आस्था के नाम पर हो रहे अपराधों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर असोसिएशन हैदराबाद की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

दैनिक पुष्पांजलि टूडे
रिपोर्टर खंगारराम मुलेवा

सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर असोसिएशन

बंडलागुड़ा हैदराबाद की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से गठित की गई नई वर्तमान अध्यक्ष जगदीश प्रसाद काग ने कार्यकारिणी पदाधिकारियो को बधाई देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी में जिसमें कई नए और अनुभवी चेहरे शामिल हुए, जैसे कार्यकारिणी अध्यक्ष पद वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष पद धन्नाराम देवड़ा, उपाध्यक्ष पद ।। चुन्नीलाल पंवार, उपाध्यक्ष पद ।।। छोगालाल गेहलोत ,सचिव पद प्रकाश सेपटा, सह सचिव पद मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष पद लक्ष्मण राम परिहार, सह कोषाध्यक्ष पद स्वरूपराम पंवार, सलाहकार सदस्य पद जगदीश प्रसाद काग, देवाराम आगलेचा,खंगारराम सेपटा, डायाराम सोलंकी, मनोनीत सदस्य पद - जुगराज सोलंकी, हरिलाल लचेटा,ताराराम पंवार,चेनाराम काग, चम्पालाल आगलेचा, चिमनाराम चोयल वेनाराम पंवार, ताराराम चोयल, तिलोकराम पंवार, खेल मंत्री पद - मांगीलाल चोयल, राजाराम मुलेवा , मीडिया प्रभारी पद - खंगारराम मुलेवा गुड़ा मोकमसिंह, एरिया मेंबर पद एल.बी.नगर से कानाराम चोयल, एन.टी. आर नगर से सोहनलाल चोयल ,संतोष नगर से दयाराम परिहार, अलकापुरी से मनाराम ,साई नगर से केनाराम काग, नागोल से लिकमाराम लचेटा,मोहन नगर - रामलाल काग, बंडलागुड़ा - अमराराम मुलेवा आनंद नगर - भंवरलाल मुलेवा, वनस्थलीपुरम से लकाराम भायल, मंसूराबाद से शंकरलाल गेहलोत ,हयातनगर से रमेश वरपा, पेद्धा अम्बरपेट , मन्गानूर से दुर्गाराम सिंदड़ा ,कुंटलूर से राजाराम चोयल चुने गए , सचिव - प्रकाश सेपटा ने बताया कि नई कार्यकारिणी बनी है सर्वसम्मति से बनी है । सभी पदाधिकारीयो ने स्वर में कहा कि समाज बंधुओ ने हम पर भरोसा जताया है । उस पर खरे उतरेंगे व समाज सेवक के रुप में समाज हित कार्य करेगें।

निष्ठा और ईमानदारी से करें अपना कार्य: मिश्रा

ढोल नगाड़े के साथ 44 वर्ष बाद सेवानिवृत्त हुए रामकिशोर मिश्रा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर परिषद दबोह में पदस्थ 44 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके सहायक राजस्व निरीक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे रामकिशोर मिश्रा शनिवार को अपनी शासकीय सेवाओ से सेवानिवृत्त हुए।जिसके चलते नगर परिषद दबोह कार्यालय में उनका सेवानिवृत्त समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास एवम गाजे बाजे के साथ मनाया गया।यहां बता दें कि लगातार 44 वर्षो से बिना किसी दाग के रामकिशोर मिश्रा ने अपनी नौकरी पूरी की।इस दौरान नगर परिषद अधिकारी प्रमोद बरुआ ने कहा कि मुझे तो नगर परिषद दबोह में आये ज्यादा समय नही हुआ परन्तु इन 2-3 महीने में मिश्रा जी जैसा व्यक्ति मैंने अपनी नगर परिषद में नही देखा,आगे उन्होंने कहा कि मुझे स्वयं मिश्रा जी से बहुत कुछ सीखने को मिला जिसे मैं सदैव अपने पास रखूंगा।वहीं नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र दुधारिया ने कहा कि मिश्रा जी ने बिना किसी दाग व दबाब के स्वच्छ छवि को कायम रख अपनो सेवाएं पूरी की है जो कि हमारे किये गर्व की बात है।और ऐसे व्यक्ति आज हमारे बीच बैठे है छह सौभाग्य की बात है।वहीं भाजपा नेता राजेन्द्र गुर्जर ने कहा की मिश्रा जी पर अपनी नौकरी के समय कई कामो के लिये दबाव आये पर उन्होंने काम नही किये,लोग धमकियाँ भी देते है और कुछ लोग सराहना भी करते थे।वहीं भाजपा नेता शिवराज यादव ने कहा कि मिश्रा जी जैसा सरल एवम स्वच्छ छवि बल व्यक्ति शायद ही नगर परिषद में देखा हो क्यों की आज के लोग दिखते कुछ हैं और होते कुछ और हैं परंतु मिश्रा जी ऐसे नही है,वह जैसे दिखते हैं वैसे ही हैं।वहीं सेवानिवृत्त कार्यक्रम के दौरान उनके साथ काम करने वाले कर्मचारियों और साथियों की आंखें नम दिखीं।सेवानिवृत्त समारोह के दौरान नगर परिषद अधिकारी प्रमोद बरुआ दबोह,नगर परिषद अधिकारी रमाशंकर शर्मा लहार व पूर्व नगर परिषद अधिकारी लहार विष्णु दयाल पुरोहित ने रामकिशोर मिश्रा का तिलक कर फूल माला पहनाकर शॉल श्रीफल समेत स्मृतिचिन्ह भेंट किया। इसी के साथ मौजूद पार्षदगण, भाजपा नेता व समाजसेवियो ने रामकिशोर मिश्रा जी को पुष्पमाला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्राम उमरखली के सेंकड़ों किसानों की मक्का की फसल हो गई ख़राब किसानों ने तत्काल उठाई सर्व करने की मांग कृषि विभाग खरगोन से वैज्ञानिक दल पहुंचा उमरखली किया गया निरिक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कहावत है कि किसान पहले ही परेशान हैं उपर से मक्का बिज अडवान्टा 751 सबसे ज्यादा एवं 741 व 759 की फसल खराब हो गई किसानों ने आज मिडिया के समकक्ष बताया गया की हम किसानों ने अलग-अलग दुकानों से इसी वैरायटी मक्का का बिज लिया गया जो बिज ख़राब होने पर घर परिवार एवं कर्ज कैसे चुकायेगे उधार लेकर कुछ सामान बेचकर रकम वगैरह रखकर खेत बोया और उपर से मक्का की फसल खराब होने पर सिर पकड़कर रोने के शिवाय हमारे पास कुछ नहीं है किसानों ने बताया गया की शासन प्रशासन कृषि विभाग तत्काल प्रभाव से सर्व करें ओर जो भी नियमनुसार मुआवजा दिया जाए कृषि विभाग खरगोन का वैज्ञानिक दल तत्काल प्रभाव से ग्राम उमरखली पहुंचे और किसानों की मक्का की फसलों को निरिक्षण किया गया एवं किसानों से चर्चा की कृषि विभाग के अधिकारी प्रकाश ठाकुर भंवर सर और भी उनके साथ आला अधिकारी उपस्थित रहे देखना यह कि कृषि विभाग क्या कार्यवाही करते हैं और किसानों को किस प्रकार से कितना मुआवजा दिया जाएगा किसान प्रकाश राजाराम हरिओम परूज देवीलाल वर्मा धिरज मनोर अदमा वर्मा अजय कपुर चंद।

खरगोन पुलिस ने अवैध कच्ची महुआ शराब का निर्माण करने वाले आरोपी के विरूद्ध की गई बड़ी कार्यवाही

37 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमत लगभग 7,400/- जप्त, मौके पर 900 लीटर महुआ लहान नष्ट कीमत लगभग 90,000/- रुपये, जप्तशुदा अवैध शराब, अवैध शराब बनाने के संसाधन व नष्ट महुआ लहान की कीमत लगभग 01 लाख रुपये

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पुलिस मुख्यालय व पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना, अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया व अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल के द्वारा जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । इसी तारतम्य मे थाना बेड़िया पर पुलिस टीम द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब का निर्माण करने वाले आरोपी के विरुध्द कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 31.08.24 को थाना प्रभारी बेड़िया उनि श्री धर्मेन्द्र यादव को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम माजरिया माल नाले के किनारे पर एक व्यक्ति जिसका जो काले रंग की टी शर्ट एवं निली जिंस पहना हुआ है, अवैध कच्ची शराब का निर्माण कर रहा है ।

मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को मुखबिर की सुचना से अवगत

करवाकर मुखबिर के बताए गए स्थान ग्राम माजरिया माल नाले के किनारे के लिए रवाना किया गया । पुलिस टीम ने मौके पर पहुँच झाड़ियों की आड़ लेकर देखा तो, मुखबिर के बताए हुलिये का व्यक्ति अवैध कच्ची शराब का निर्माण कर रहा था जो पुलिस को आता देख मौके से भागने लगा, जिसे पुलिस टीम ने पीछा कर घेराबंदी कर पकड़ा । पकड़े गए व्यक्ति से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम कैलाश पिता छतरसिंह डावर जाति भिलाला उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम कानापुर गौशाला के पास का होना बताया । पुलिस टीम के द्वारा से मौके पर से आरोपी के कब्जे से कुल 37 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमत लगभग 7,400/- रुपये, लगभग 900 लीटर महुआ लहान कीमत लगभग 90,000/- रुपये को नष्ट किया गया व अवैध शराब बनाने के संसाधन को जप्त कर थाना बेड़िया पर आरोपी नाम कैलाश पिता छतरसिंह डावर जाति भिलाला उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम कानापुर गौशाला के पास के विरुद्ध अपराध क्र 186/24 धारा 34(1)(स्न),34(1) आबकारी अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

पुलिस टीम -उक्त कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बड़वाह श्रीमति अर्चना रावत के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी बेड़िया उनि श्री धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व में उप निरीक्षक दिनेश भगोरे, उनि दिनेश भगोरे, आर.420 महिपाल, आर.889 दिनेश, आर.850 राजीव गुर्जर का विशेष योगदान रहा ।

थाना दबोह पुलिस द्वारा अवैध हथियार के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बीते रोज व्यापारी से गुंडागर्दी कर दी थी जान से मारने की धमकी

दबोह। पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड संजीव पाठक के निर्देशन में अवैध हथियार,शराब,जुआ,मारपीट जैसे अपरोपियों के बिरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए थे।इसी तारतम्य में श्रीमान

अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस)लहार प्रवीण पाठक के मार्गदर्शन में दिनांक 26.08.24 को फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्र 169/24 धारा 115(2), 296, 125, 351(2),3(5) क्रहर का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी हेतु उसके सभी संभावित स्थानों एवं रिश्तेदारों के यहाँ दबिश दी गई।जिसके बाद दिनांक 31.08.24 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को ज्ञानपुरा बम्बा की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया बाद आरोपी के द्वारा घटित अपराध के बारे में बताया गया तो आरोपी ने जुर्म करना स्वीकार किया एवं आरोपी से घटना में प्रयुक्त एक 315 बोर का देशी कट्टा व एक जिंदा राउण्ड भी जप्त किया गया है।बाद गिरफ्तार सुदा आरोपी को माननीय न्यायालय लहार के पेश किया है।ज्ञात रहे कि युवक ने अपने एक अन्य साथी के साथ मुख्य बाजार स्तिथ कपड़ा व्यापारी को कट्टा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी थी जिसके बाद दबोह पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज किया था और फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। इनकी रही सराहनीय भूमिका-उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी राजेश शर्मा,सउनि राजकिशोर तिवारी,सउनि शिवदयाल नागर,आर. 212 रणजीत,आर.743 सतेन्द्र सिंह गुर्जर,आर. 865 आशीष शर्मा,आर. 1194 राजू यादव,आर. 37 रमाकांत राठौर,सैनिक सममिलन यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

भगवंतपुरा चौराहे पर गोली मारकर हत्या के प्रयास के दोनों आरोपी गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक असित यादव तथा एएसपी संजीव पाठक के उचित निर्देशन में एवं एसडीओपी अटेर जाहिदयार खान के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम भगवंतपुरा मे गोली मारकर हत्या के प्रयास के दोनो आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 27/08/24 को आवेदक रामप्रकाश पुत्र जगराम समाधियां निवासी भगवंतपुरा थाना सुरपुरा ने आरक्षी केन्द्र सुरपरा पर एक टाईपशुदा आवेदन दिया कि दिनांक 26/08/24 को मेरे लडके अजय उर्फ गप्पी को भगवंतपुरा सुरपुरा रोड पर बने मकान पर से गांव में बने मकान की ओर जाते समय भगवंतपुरा चौराहे के पास ग्राम गजना के कुलदीप तथा प्रताप उर्फ पप्पू भदौरिया ने मिलकर गंदी गंदी गालियां दी मारपीट तथा कुलदीप ने मेरे लड़के के सीने में जान से मारने की नियत से कट्टे से गोली जो मेरे लड़के के सीने मे लगी उक्त रिपोर्ट पर से अपराध क्र.- 67/24 धारा 109 (1), 115(2),296, 351(2), 3(5) वीएनएस का पंजीवब्द कर विवेचना में लिया।

वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में आरोपियो की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गई थी जिनकी गिरफ्तारी के लिये अलग-अलग स्थानो पर जाकर दबिश दी जा रही थी,तभी दिनांक 30/08/24 को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपीगण ग्राम रमा कोट नहर की पुलिया पर उ.प्र. भागने की फिराक में खड़े होकर वाहन का इंतजार कर रहे है, उक्त सूचना पर तत्काल रवाना होकर पहुंचा जहां आरोपीगण

दिखे जिनको घेराबंदी कर पकडा तथा पूछताछ की तो घटना कारित करना बताया एवं आरोपीगणो से घटना में प्रयुक्त एक देशी 315 बोर का कट्टा व जिंदा राऊण्ड तथा डंडा जप्त कर आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया,एवं आरोपीगणो को न्यायालय में पेश किया गया है। उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी सुरपुरा एसआई मोहनीश सिंह तोमर, एएसआई भगवान सिंह,एएसआई सत्यवीर सिंह (सायबर सेल), प्रधान आरक्षक अमित सेन,आरक्षक आनंद दीक्षित (सायवर सैल), सतेन्द्र सिंह तोमर, सुकेश यादव, रघुनंदन त्यागी, राजबहादुर, सुदीप तोमर,गोपाल मिश्रा,अनिल जाट,सोनू शर्मा,यदुवीर सिंह चौहान तथा महिला आरक्षक रचना कुशवाह अन्य थाना स्टाफ की अहम भूमिका रही।

संपादक की कलम से

महिला सम्मान पर खड़गे के सवाल

प.बंगाल मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान के बाद देश में महिलाओं की स्थिति और उनकी सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। लेकिन इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबी पोस्ट में जिन बिंदुओं को उठाया है, उन पर भी गौर किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति महोदया ने बस बहुत हो गया, यह कहते हुए 12 साल पहले हुए निर्भया कांड को भी याद किया और कहा कि '12 वर्षों में इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि केवल कुछ ने ही पूरे देश का ध्यान खींचा। जैसे-जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है।' श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ-साथ कुछ रीति-रिवाजों और प्रथाओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों में अड़चन डाली है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प.बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर चिंता जाहिर की है। लेकिन इसमें श्री खड़गे ने एक खास बात कही है कि हमें 'बेटी बचाओ' नहीं 'बेटी को बराबरी का हक सुनिश्चित करो' चाहिए। ' उन्होंने कहा कि महिलाओं को संरक्षण नहीं, भयमुक्त वातावरण चाहिए।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनवरी 2015 में हरियाणा से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत की थी। इसके जरिए महिला सशक्तीकरण की बात कही गई थी। लेकिन समय के साथ यह अभियान एक नारे में सिमट कर रह गया। कालांतर में कभी नारी शक्ति की बात प्रधानमंत्री मोदी ने की, कभी महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम देकर पारित करवा दिया। लेकिन धरातल पर महिलाओं की शक्ति को किसी न किसी तरह अपमानित करने का सिलसिला चलता रहा।

महिलाओं को बराबरी का हक ससम्मान देने की जगह उन्हें खैरात में देने की मानसिकता इस तरह की पहलों में नजर आने लगी। इसलिए अब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि महिलाओं को संरक्षण नहीं भयमुक्त वातावरण चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया है कि हर दीवार पर 'बेटी बचाओ' पेंट करवा देने से क्या सामाजिक बदलाव आएगा या सरकारें और कानून व्यवस्था सक्षम बनेंगी? 'क्या हम ऐहतियाती कदम उठा पा रहे हैं? क्या हमारा आपराधिक न्याय तंत्र सुधरा है? क्या समाज के शोषित व वंचित अब एक सुरक्षित वातावरण में रह पा रहे हैं?' श्री खड़गे ने पूछा है कि क्या सरकार और प्रशासन ने वारदात को छिपाने का काम नहीं किया है? क्या पुलिस ने सच्चाई छिपाने के लिए पीड़िताओं का अंतिम संस्कार जबरन करना बंद कर दिया है?

कांग्रेस अध्यक्ष के इन ज्वलंत सवालों ने भाजपा के शासनकाल में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी शक्ति का अभिनंदन, बेटियों को बचाने और पढ़ाने के दावे, सब को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब राष्ट्रपति महोदया बंगाल की घटना के बाद अपने डर और निराशा को प्रकट कर रही थीं, तब उप्र के फरूखाबाद में दो नाबालिग लड़कियों के परिजन इस सवाल पर परेशान थे कि उनकी बेटियों की मौत कैसे हुई, क्यों उनके शव पेड़ से लटकते मिले, जिसे आत्महत्या कहा जा रहा है, क्यों उनकी बेटियों के अंतिम संस्कार की जल्दबाजी पुलिस ने दिखाई है। इन सवालों के जवाब शायद ही उन लाचार परिजनों को मिलें, क्योंकि इससे पहले भी उप्र में एक बलात्कार की शिकार युवती के शव को पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया और उसे अंतिम संस्कार का नाम दिया गया।

उप्र ही नहीं देश के अनेक राज्यों में पुलिस थानों में पीड़िताओं या उनके परिजनों के साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार नहीं होता है। बल्कि कई मामलों में तो यह देखा गया है कि आरोपी अगर रसूखदार हुआ तो पीड़ित पक्ष को थाने में भी अपमानित या उत्पीड़ित होना पड़ता है। यह व्यवहार तभी सुधर सकता है, जब पुलिस प्रशिक्षण के दौरान संवेदना के पक्ष को कुछ और वजनदार करके प्रस्तुत किया जाए। श्री खड़गे ने महिलाओं को संरक्षण बनाम भयमुक्त वातावरण को लेकर जो सवाल उठाया है, उस पर भी समाज को गौर करने की जरूरत है, क्योंकि यह सवाल केवल किसी सरकार के नजरिए से सुलझाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की सोच है कि महिलाओं को पहले पिता, फिर पति और फिर बेटे के संरक्षण में रहना चाहिए, इसी सोच पर समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी चलता है। यह सोच इसलिए पनपी क्योंकि पुरुषों के रवैये ने महिलाओं को हमेशा संभल कर रहने, बच कर रहने का अहसास कराया। अगर समाज महिला और पुरुष में बराबरी की भावना शुरू से कायम रखे, यानी अगर परिवारों से ही इसकी शुरूआत हो कि लड़का और लड़की में सिवाय शारीरिक संरचना के कोई और अंतर नहीं है और इसलिए कोई किसी से दोयम नहीं है, तो समाज में भी यही माहौल बनेगा। इसके बाद महिलाओं के लिए सही में भयमुक्त वातावरण बनेगा और किसी के भय से संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सेहत का खजाना है लहसुन, खाने से पहले खाएं और पाएं चमत्कारिक परिणाम

नई दिल्ली। हमारे किचन में कई ऐसे सुपरफूड्स होते हैं, जो दवाइयों की जरूरत को कम कर सकते हैं और लहसुन इनमें से एक है। यह केवल खाने को स्वादिष्ट नहीं बनाता, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभ भी बहुत हैं। रोजाना सुबह लंच से पहले लहसुन की 2-3 कलियां चबाने से आपकी सेहत को कई बेहतरीन फायदे मिल सकते हैं। लहसुन में एलिसिन नामक सल्फर युक्त फाइटोकेमिकल होता है, जो बीमारियों से बचाव करता है और सूजन को कम करने में सहायक है। यह स्किन के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि यह मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को नष्ट करता है और स्किन को साफ करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। हरदोई के शतायु आयुवेर्दा एवं पंचकर्म केंद्र चलाने वाले डाक्टर अमित कुमार बताते हैं कि लहसुन हमेशा से ही एक औषधि रही है। इसके कई उपयोग हैं। खाली पेट लहसुन खाना इंसानी शरीर के लिए बहुत ही अच्छा होता है। इसके अलावा व्यक्ति खाने से पहले भी अगर नियमित रूप से लहसुन खाता है तो यह उसके स्वास्थ के लिए बहुत बेहतर है। लहसुन एक बेहतरीन एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल, एंटिफंगल और एंटिपैरासिटिक एजेंट के रूप में काम करता है। यह बैक्टीरिया और वायरस जैसे पैथोजेन को मारता है, जिससे बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों से बचाव होता है। इसके अतिरिक्त, लहसुन शरीर से टॉक्सिक हैवी मेटल्स को निकालता है और डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है, जिससे इम्यूनिटी बूस्ट होती है। लहसुन ठंड, फ्लू, सर्दी और जुकाम से भी बचाव करता है और कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करता है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। इसके नियमित सेवन से ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है, जिससे हाइपरटेंशन की समस्या कम होती है। हालांकि डॉक्टर अमित पित्त रोगीयों को लहसुन के सेवन की सलाह नहीं देते हैं। वह कहते हैं कि ऐसे लोग जिनको कब्ज, पेट खराब रहना, उल्टी, या बवासीर जैसी कब्ज की बीमारी है, उन्हें लहसुन का प्रयोग कम से कम करना चाहिए।

वह आगे कहते हैं कि एक स्वस्थ आदमी लहसुन को सब्जियों, चटनी, डिप, सलाद या सूप में मिलाकर भी खा सकते हैं, लेकिन इसके कच्चे सेवन से अधिक लाभ होता है। यह किचन का एक ऐसा सुपरफूड है, जो आपकी सेहत को प्राकृतिक रूप से बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

आंध्र प्रदेश सरकार का संदेश- वेदपाठियों का भी सम्मान जरूरी, मंदिर सांस्कृतिक धरोहर, संरक्षण आवश्यक

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देशभर में वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के समय से पक्ष और विपक्ष सर्वत्र संविधान की रक्षा की बात बहुत हो रही है। सबसे ज्यादा जोर धर्म निरपेक्षता या पंथ निरपेक्षता पर है। लेकिन क्या सभी सरकारें संविधान में इस महत्वपूर्ण शब्द पंथनिरपेक्षता का वास्तव में आदर करती हैं या उनके लिए वोटबैंक की राजनीति में तुष्टिकरण ही महत्वपूर्ण है वास्तव में यह सभी सरकारों के लिए सोचनीय विषय हो सकता है। किंतु हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया निर्णय राजनीति में कार्य करने वाले सत्तासीन सभी लोगों को यह सोचने पर जरूर विवश कर रहा है कि क्या वे भारत के बहुसंख्यक हिंदू समाज की भावनाओं का हृदय से सम्मान करते हैं, जिनके वोट बैंक के आधार पर ही वे सत्ता का सुख भोगते हैं।

निश्चित ही इस संदर्भ में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का यह निर्णय आज सर्वत्र चर्चा का विषय बन गया है, जिसमें कि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बहुसंख्यक हिन्दू समाज का सम्मान आवश्यक है। इसलिए राज्य के मंदिरों में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाएगा, क्योंकि यह देवता के प्रति भक्त के समर्पण का विषय है। हृदय की गहराईयों में समाहित उस श्रद्धा एवं पवित्रता से जुड़ा विषय है, जिसमें कि एक भक्त अपने भगवान को अपना सर्वस्व यथायोग्य स्थिति में समर्पण करने के लिए तैयार है। निश्चित ही इस पूरी प्रक्रिया में पवित्रता का महत्व है और उस पवित्रता को प्रायः वही पहले अनुभव करेगा जो बचपन से ही उसमें रसा-बसा होगा। इसलिए उनका ये लिया गया निर्णय आज सर्वत्र सराहा जा रहा है। इसके साथ ही नई नीति के अंतर्गत, मंदिर के पुजारियों, जिन्हें अर्चक के नाम से भी जाना जाता है, उनका मासिक वेतन 15,000 रुपये किया गया है। वहीं, मंदिरों में काम करने वाले नाई कर्म करने वालों का भी न्यूनतम वेतन 25,000 रुपये मासिक हो गया है।

वस्तुतः जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत के मंदिरों में मुंडन करवाने का विशेष महत्व है। ये महत्व इस भावना पर आधारित है कि सिर के बाल यानी जो प्रत्येक मनुष्य के शरीर के लिए सबसे अधिक सौंदर्य के प्रतीकों में से एक हैं, उसका अपने देवता के सामने पूर्णतः समर्पण कर देना चाहिए, क्योंकि बाल जन्म से शरीर के साथ ही आते हैं, जबकि अन्य पदार्थ प्रकृति से बाद में प्राप्त होते हैं। ऐसे में यदि अपने देवता (ईश्वर) के सामने कुछ समर्पति करना ही है तो वह देह का ही भाग हो सकता है, क्योंकि मनुष्य अपनी देह से ही सबसे अधिक प्रेम करता है, इसलिए इस मान्यता के आधार पर समर्पण कर देने का प्रण भारत के मंदिरों में प्रायः मुंडन संस्कार के प्रचलन के रूप में देखने को मिलता है। यहां मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के इस निर्णय से मंदिरों में नाई कर्म में लगे हुए तमाम लोगों के परिवारों को यह आश्वासन दे दिया है कि अब कम से कम आर्थिक तंगी का सामना उन्हें नहीं करना होगा ।

उनका यह निर्णय भी हृदय को छू गया, जब तय किया गया कि विश्व की सबसे प्राचीनतम वेद विद्या की पढ़ाई करने वाले बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये मासिक भत्ता दिया जाएगा। कहना होगा कि वेद की विद्या दुनिया भर के लिए भारत

की धरोहर है। वेद के जितने मंत्र हैं और जितनी उसकी शाखाएं शेष हैं, उन सभी को इस निर्णय से बल मिलेगा। पतंजलि ने ऋग्वेद की 21, यजुर्वेद की 100, सामवेद की 1000 तथा अथर्ववेद की 9 शाखाएँ बताई हैं, किंतु वर्तमान में अधिकांश अप्राप्य है। इस संदर्भ में प्राप्त सभी शोध निष्कर्षों से सामने आया है कि प्राचीन समय में वेदों की 1131 शाखाएं थीं, किंतु विधर्मियों के हुए लगातार के आक्रमण के फलस्वरूप अपने असतित्व को बचाए रखने की हिन्दू सनातन चुनौती के बीच अब वेदों की केवल 12 शाखाएं ही शेष है, जिसमें ऋग्वेद की 2, यजुर्वेद की 6, सामवेद की 2 और अथर्ववेद की 2 शाखाएं हैं।

राज्य सरकार 'धूप दीप नैवेद्यम योजना' के माध्यम से छोटे मंदिरों के लिए वित्तीय सहायता भी बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह सहायता राशि 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रति माह कर दी गई है। इसके अलावा, 20 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व वाले मंदिरों के लिए मंदिर ट्रस्ट बोर्ड में दो अतिरिक्त बोर्ड सदस्य जोड़े जा रहे हैं, सबसे अच्छी बात यह है कि इन नए पदों में एक ब्राह्मण और एक नाई को शामिल किया गया है। इतना ही नहीं नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू मंदिरों में गैर-हिंदुओं को कोई रोजगार नहीं दिया जाना चाहिए। इसके भी मायने को हमें समझना होगा। जो लोग थूक लगा कर दूसरों को चीजें परोसते हैं या अपनी मान्यता के अनुसार ईश्वर को वाईन का जो लोग भोग लगाते हैं, उन पर मंदिर के संदर्भ में विश्वास करना नहीं चाहिए। इसकी कोई गारंटी नहीं कि जिसका भाव ही देवता के प्रति समर्पण का नहीं है, वह वह पूरी पवित्रता का ध्यान रखेगा। अतः हिन्दुओं के मंदिर में सामान बेचने वाले भी हिन्दू ही होना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का कहना है कि ह्लआंध्र प्रदेश के हर मंदिर में आध्यात्मिकता प्रस्फुटित होनी चाहिए। आध्यात्मिक कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाने चाहिए कि श्रद्धालु मंदिर में वापस आएँ और उन्हें ये ना लगे कि उनसे पैसे ऐंठे जा रहे हैं। यह भी जरूरी है कि मंदिर और उनके आसपास के इलाकों को बेहद साफ-सुथरा रखा जाए।ह्व उन्होंने पर्यटन विभाग, हिंदू धर्मार्थ विभाग और वन विभाग के अधिकारियों की एक समिति के गठन की भी घोषणा की है । यह समिति मंदिरों, विशेष रूप से वन क्षेत्रों में स्थित मंदिरों के विकास की देखरेख करेगी। समिति इन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित रखते हुए इसे अधिक से अधिक पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए सुलभ बनाएगी।

इसके अतिरिक्त, नायडू ने श्रीवाणी ट्रस्ट के अंतर्गत प्रत्येक मंदिर को 10 लाख रुपए आवंटित किए हैं, जिसमें आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद यदि आवश्यक हुआ तो अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान भी किया गया है। अधिकारियों से उन मंदिरों के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया है, जहाँ 10 लाख रुपए से अधिक की आवश्यकता है। सरकार इस बात पर भी यहां जोर देती दिख रही है कि वह अपने राज्य में पवित्र नदियों कृष्णा और गोदावरी नदी को पुनर्जीवित करने में सफल हो जाए, इसके लिए प्रभावी योजना बनाई गई है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में जबरन धर्मांतरण (मतान्तरण) करने का भी खुलकर विरोध किया है। उन्होंने दोहराया कि आंध्र प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले वाई एस जगन मोहन रेड्डी प्रशासन के समय में हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री नायडू ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं ।

अब कहना यही है कि बहुसंख्यक हिन्दू समाज के आस्था केंद्रों के संरक्षण, वहां विराजित देवता की पूजा-अर्चना करनेवाले अर्चकों की चिंता करने की विधिवत ठीक से शुरूआत आंध्रप्रदेश से आज हो चुकी है। ऐसे में जहां देश के प्रायः सभी राज्यों में मुसलमानों के मदरसों के मौलवियों के लिए भारी भरकम राशि उन्हें वेतन के रूप में दी जाती हो, ईसाईयत के प्रचार के लिए कई हजार करोड़ के जोशुआ मिशन प्रोजेक्ट संचालित हो रहे हों एवं इसी प्रकार के अन्य मिशन, जिसमें कि भारत से बहुसंख्यक हिन्दू समाज से विविध तरह से अप्रत्यक्ष अर्जित धन के साथ विदेशी फंड बहुतायत में लगाया जा रहा हो, वहां यह जरूरी हो जाता है कि धर्मनिरपेक्षता या पंथनिरपेक्षता का अनुसरण सभी राज्य सरकारें हिन्दू सनातन धर्म के हित में भी करें।

राज्य सभा के बहुमत से क्या फर्क पड़ेगा

- अरविन्द मोहन

यह मात्र संयोग नहीं है कि जिस दिन भाजपा को राज्य सभा में मोदी-युग का सबसे बड़ा आंकड़ा हासिल हुआ उससे दो दिन पहले एनडीए में और सरकार में साझीदार लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की मांग कर दी। इस बात की चर्चा एकमात्र सांसद वाले दल के नेता जीतन राम मांझी जैसे लोग भी हल्के-फुल्के ढंग से उठाते रहे थे लेकिन चिराग के कहने का तत्काल बड़ा असर हुआ।

यह विडंबना ही है कि जब शासन और संसदीय कामकाज में भाजपा और नरेंद्र मोदी के इकबाल को चुनौतियां मिलनी शुरू हुई हैं तब राज्य सभा में भाजपा को पहली बार बहुमत मिलने का दावा किया जाने लगा है। लोक सभा चुनाव में (ज्यादातर) राज्य सभा सदस्यों द्वारा जीत हासिल करने से खाली हुए 12 जगहों के उपचुनाव में भाजपा ने नौ स्थान जीते हैं और एनडीए के साथियों ने दो स्थान जीते हैं। हम जानते हैं कि राज्य सभा सदस्यों का चुनाव विधायक करते हैं और अभी ज्यादातर राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार है। 245 सदस्यों वाले सदन में अब भाजपा के 96 सदस्य हो गए हैं और एनडीए के उसके सहयोगी दलों के सदस्यों, दो निर्दलीय और छह मनोनीत सदस्यों को लेकर अब उसके खेमे में 119 सदस्य गिने जा सकते हैं। अभी भी मनोनीत सदस्यों की चार जगहें और जम्मू-कश्मीर के चार स्थान खाली हैं और बैठे-ठाले गणित लगाने वालों का अनुमान है कि भाजपा का खेमा 125 तक पहुंच सकता है और अगर जम्मू-कश्मीर वाली गिनती को फिलहाल छोड़ भी दें तो 241 सदस्यों में भाजपा खेमा आराम से 123 तक पहुंच जाएगा। आजकल मनोनीत का मतलब भी शासक दल का सदस्य ही हो गया है। भाजपा के लिए यह स्थिति 2014 के बाद पहली बार बनी है।

अब यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि मोदी का प्रताप गिरने की शुरूआत होने पर इस स्थिति के आने का भी बहुत मतलब है। लेकिन जिस विधायी कामकाज के लिए राज्य सभा में बहुमत होना जरूरी होता है उसमें नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा के एजेंडे वाले काफी काम पहले अटके भी हैं। सबसे पहला झटका तो भूमि अधिग्रहण कानून और श्रम कानूनों में बदलाव के समय ही लगा और हारकर केंद्र ने इसे राज्यों के हवाले कर दिया कि वे अपनी-अपनी मर्जी से और अपनी जरूरत के हिसाब से कानून बनाए। कृषि से संबंधित तीन कानून पास भी हुए, और उसमें की 'न्यूट्रल' दलों का समर्थन लिया गया पर उस पर किसान आंदोलन और फिर उत्तर प्रदेश चुनाव की जरूरत ने पानी फेर दिया। बीजद और वाइएसआर कांग्रेस के साथ कई बार तेलंगाना राज्य समिति भी अपने 'न्यूट्रल' स्टैंड को छोड़कर भाजपा को समर्थन देती रही है। कई और दल भी खास रणनीति से सदन से गायब होकर बिल पास कराने में मदद करते थे। अब तेलंगाना राज्य से भारत देशम बने चंद्रशेखर राव की पार्टी का तो अस्तित्व संकट में है लेकिन बीजद और वाइएसआर कांग्रेस विरोध में आ गए हैं, भले उनकी शक्ति कम हुई हो।

दूसरी ओर कई बार 'धोखा' खाने के बाद नामी वकील अभिषेक मनु सिंघवी तेलंगाना से राज्य सभा में पहुंचे है। कांग्रेस को वैसे तो यह एकमात्र सीट मिली है लेकिन इसने राज्य सभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 27 तक पहुंचा दी है। इससे उनका राजनैतिक पुनर्वास तो हुआ ही है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सदन में विपक्ष के नेता पद पर निश्चिंत हो गए हैं। अभी तक कांग्रेस के 26 सदस्य ही थे और विपक्ष का नेता बनने के लिए 25 सीटों की जरूरत होती है। जिस रफ्तार से भाजपा दल बदल और तोड़-फोड़ करती रही है उसमें खड़गे जी की कुर्सी छीनना बहुत मुश्किल न था। पिछली लोक सभा में जिस तरह राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी गई और डेढ़ सौ से ज्यादा सांसदों को निलंबित किया गया उसमें यह खतरा रोज मंडरा रहा था। लेकिन यह मात्र संयोग नहीं है कि जिस दिन भाजपा को राज्य सभा में मोदी-युग का सबसे बड़ा आंकड़ा हासिल हुआ उससे दो दिन पहले एनडीए में और सरकार में साझीदार लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की मांग कर दी। इस बात की चर्चा एकमात्र सांसद वाले दल के नेता जीतन राम मांझी जैसे लोग भी हल्के-फुल्के ढंग से उठाते रहे थे लेकिन चिराग के कहने का तत्काल बड़ा असर हुआ। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा इस सवाल को राजनीति के केंद्र में ला देने के बाद भी अभी तक भाजपा इसके पक्ष में नहीं दिखती है। वह इसे राहुल के पिच पर खेलना मानती है। लेकिन चिराग जैसे सहयोगियों और महाराष्ट्र (जहां जल्दी ही चुनाव होने वाले हैं) के अपने की नेताओं की मांग को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। पार्टी ने ऐसे ही दबाव में (जिसमें मुख्य दबाव राहुल का था तो एनडीए के साथियों की तरफ से भी बयानबाजी शुरू हुई) बड़े सरकारी पदों पर सीधी भर्ती का अपना विज्ञापन वापस लेना पड़ा।

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

-ललित गर्ग -

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द ह्यडुंकीह्न से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पदार्फाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य

प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं। डंकी रूट के जरिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फीलें तूफान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।शाहरुख खान की फिल्म ह्यडंकीह्न में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। ह्यडंकी रूटह्न एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं?

पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है। हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था।

जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों में किया गया वृक्षारोपण

रीवा। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिले के सभी आँगनवाड़ी केन्द्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशन में एक लाख एक पौधरोपण किया गया। आंगनवाड़ी केन्द्रों के साथ ही कुपोषित बच्चों के घर के परिसर में फलदार वृक्ष आम, आंवला, नीबू, अमरूद तथा मुनगा के पौधे लगाकर इन्हें संरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। जिला एवं महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने खौर ग्राम के आंगनवाड़ी केन्द्र में पौधरोपण किया तथा एक सितम्बर से माह भर चलने वाले पोषण माह का शुभारंभ करते हुए गोद भराई कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने भोजन में पोषक तत्वों एवं मोटे अनाज को शामिल किए जाने व उससे मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी ली।

इसी प्रकार आंगनवाड़ी केन्द्र रायपुर क्रमांक एक में जिला पंचायत सदस्य बृजेन्द्र कोरी ने अपनी माताजी के नाम पर मुनगा का पेड़, जनपद सदस्य रजिया सुल्तान ने मीठी नीम व शुभकरण दाहिया ने अमरूद का पौधा लगाया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने आमजनों से पर्यावरण संरक्षण के लिए धरती माता को हरा-भरा रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाकर उनकी परवरिश भी करें। स्वच्छ पर्यावरण से व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी शेषनारायण मिश्रा, सरपंच अजय दाहिया सहित अंजना सिंह, चिंता सिंह, राजकुमारी मिश्रा, श्रीमती सपनाराम तिवारी, हमीदा बानो, सुषमा शर्मा, प्रीती शर्मा, कुसुमलता द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी एवं महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकासखण्डों में आज से चार सितम्बर तक लगेंगे निःशुल्क जाँच शिविर

उम्मीदों वाली बस से विकासखण्डों में निःशुल्क जाँच और उपचार की मिलेगी सुविधा-रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क जाँच और उपचार शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड मुख्यालयों में भी इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रोगियों की जाँच और उपचार करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि श्री अरविंदो हास्पिटल इंदौर के सहयोग से एक सितम्बर को त्योंथर तथा चाकघाट, दो सितम्बर को डभौरा, तीन सितम्बर को सिरमौर तथा चार सितम्बर को मऊगंज में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में अरविंदो हास्पिटल की सर्व सुविधायुक्त चलित अस्पताल इकाई उम्मीदों वाली बस से रोगियों की जाँच की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से महिलाओं के स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर एवं ओरल कैंसर के रोगियों की जाँच एवं उपचार किया जाएगा। इस बस में जाँच के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं।

तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का हुआ समापन

कलेक्टर ने किया शिविर स्थल का भ्रमण, गंभीर रोगियों को मिली निःशुल्क जाँच और उपचार की सुविधा

रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा विन्ध्य क्षेत्र में उपचार सुविधाओं को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से रीवा जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। गत 29 अगस्त से कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित शिविर का आज समापन हो गया। शिविर का आयोजन जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर द्वारा किया गया। शिविर में स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मुख कैंसर, डायबिटीज, ह्मदय रोग तथा अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की निःशुल्क जाँच और उपचार अरविंदो अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा की गई। इस सुपर स्पेशलिटी जाँच शिविर में शिशुओं के गंभीर रोगों की जाँच और उपचार किया गया। शिविर स्थल पर रोगियों के पंजीयन की व्यवस्था की गई थी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शिविर स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शिविर में रोगियों से मिलने वाली उपचार सुविधा के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पंजीयन काउंटर में पहुंचकर अब तक हुए पंजीयन तथा जाँच के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने गंभीर रोगों के लिए बनाए गए काउंटर में जाकर प्रदान की जाने वाली उपचार सुविधा के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। उन्होंने उम्मीदों वाली बस के अंदर जाकर रोगियों की जाँच के लिए बनाई गई सुविधा का भी अवलोकन किया। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, डॉ नरेश बजाज, डॉ सुनील अवस्थी सहित अरविंदो अस्पताल के चिकित्सक उपस्थित रहे।

निजी एंबुलेंस संचालकों का होगा वेरीफिकेशन, नियम विरुद्ध चलने पर होगी कार्यवाई

यातायात, आरटीओ और अस्पताल प्रबंधन ने ली एंबुलेंस संचालकों के साथ बैठक

रीवा। जिले के श्यामशाह मेडिकल कॉलेज सहित अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई नए नियम लागू कर दिए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन, यातायात, आरटीओ विभाग के साथ निजी एंबुलेंस संचालकों की अहम बैठक संजय गांधी अस्पताल में बुलाई गई। इस दौरान एंबुलेंस संचालकों सहित सभी कर्मचारियों की सूखी मंगाई गई , साथ ही उनसे संबंधित दस्तावेज भी मांगे गए। संजय गांधी अस्पताल में एंबुलेंस संचालकों के द्वारा मनमाना पैसा वसूलने की कई बार शिकायत होने के बाद अब प्रशासन स्तर पर रेट सूची तैयार की जा रही है। एंबुलेंस संचालकों को विशेष तौर पर यह बताया गया है, की जो भी एंबुलेंस चालक या परिचालक होंगे उनके परिचय संबंधित समस्त दस्तावेज कार्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके पूर्व एंबुलेंस संचालकों के द्वारा एक यूनियन बनाकर एंबुलेंस चलाने का प्रयास किया गया था। लेकिन शिकायतों का दौर खत्म नहीं हुआ इस बार तीन विभाग की निगरानी में रेट सूची तैयार की जाएगी और सभी एंबुलेंस का डाटा इन विभागों के पास होगा और निर्धारित रेट के अनुसार ही अस्पताल में एंबुलेंस चलाए जाएंगे यहां तक कि उनके नंबर आने पर ही अस्पताल में प्रवेश किया जाएगा।

सोमवती अमावस्या मेला की तैयारी देखने चित्रकूट पहुंचे कलेक्टरः एसपी

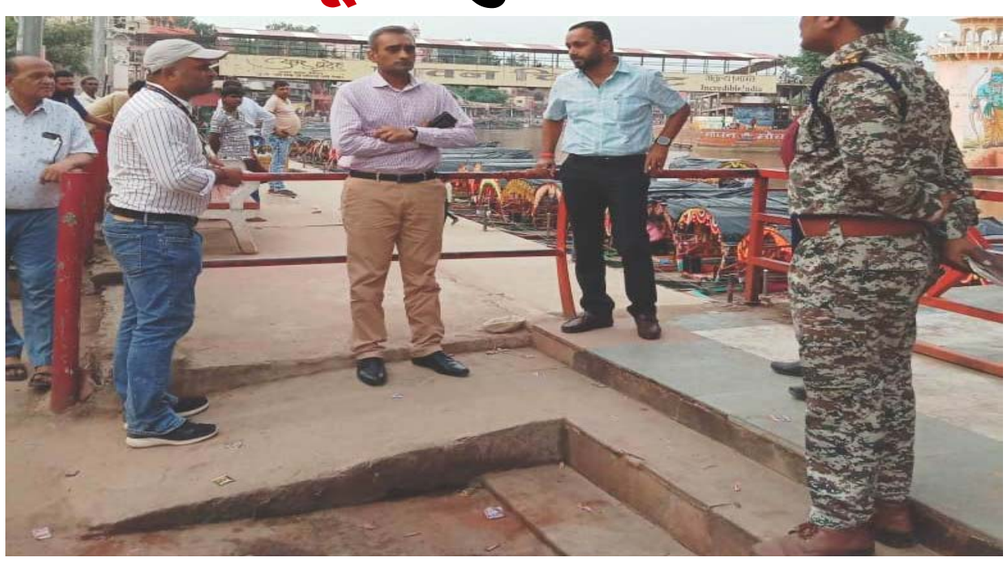

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने शनिवार को जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थल चित्रकूट पहुंचकर सोमवती अमावस्या मेले की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सोमवती अमावस्या मेले में अत्यधिक संख्या में श्रृद्धालुओ की पंहुचने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुये प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मेले की सुरक्षा और कानून व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री वर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान चित्रकूट के घाटों, कामतानाथ मंदिर, परिक्रमा स्थल सहित विभिन्न प्रमुखों चौराहों, आवागमन के मार्गों और स्थानों का भ्रमण करते हुये अधिकारियों से मेले की तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने साधू-संतों एवं स्थानीय लोगों से भी बातचीत की।कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ सुरक्षा के कड़े प्रबंध और व्यवस्थायें चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिये। इस मौके पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सहित मेले की ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने चित्रकूट समग्र विकास योजना को लेकर विभिन्न स्थलों का जायजा लिया।

विकासखण्डों में आज से चार सितम्बर तक लगेंगे निःशुल्क जाँच शिविर

उम्मीदों वाली बस से विकासखण्डों में निःशुल्क जाँच और उपचार की मिलेगी सुविधा

रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क जाँच और उपचार शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड मुख्यालयों में भी इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रोगियों की जाँच और उपचार करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि श्री अरविंदो हास्पिटल इंदौर के सहयोग से एक सितम्बर को त्योंथर तथा चाकघाट, दो सितम्बर को डभौरा, तीन सितम्बर को सिरमौर तथा चार सितम्बर को मऊगंज में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में अरविंदो हास्पिटल की सर्व सुविधायुक्त चलित अस्पताल इकाई उम्मीदों वाली बस से रोगियों की जाँच की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से महिलाओं के स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर एवं ओरल कैंसर के रोगियों की जाँच एवं उपचार किया जाएगा। इस बस में जाँच के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं।

रीवा में नमक कारोबार के नाम पर 6 करोड़ की ठगी, आरोपी देहरादून से पकड़ाया, पूछताछ जारी

समान पुलिस की कार्यवाई, 140 ट्रक माल के नाम पर ठगे 6 करोड़ रुपए, खरीदा आलिसन फ़्लैट

रीवा। नमक कारोबार के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी कर फरार हुए आरोपी को रीवा की समान थाना पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ के दौरान उसने ठगी से कमाए गए रूपयो को विभिन्न स्थानों पर खर्च करने की बात कबूल की है। पीड़ित नरेंद्र सिंह परिहार निवासी कृष्णा नगर थाना बिछिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वीरेंद्र सिंह सोलंकी पिता भोला सिंह ने नमक के कारोबार के लिए उनसे पैसे लिए थे। आरोपी ने एक ट्रक नमक के आवाज में 250000 रुपए लिए थे। और इसी तरह कई अन्य लोगों को भी ठगी का शिकार बनाया। कुल मिलाकर आरोपी ने लगभग 140 ट्रकों के लिए करीब 6 करोड रुपए एकत्र किए। कुछ लोगों को मुनाफे के तौर पर 30000से 70000 रुपए तक लौटआए गए। आरोपी ने पूछताछ में ठगी के पैसे को खर्च करने की जानकारी दी है। उसने वृंदावन में 55 लाख रुपए का फ्लैट खरीदा है। जिसमें 25 लख रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। इसके अलावा इस फ्लैट में उसने ड़800000 के फर्नीचर और ड़200000 के इलेक्ट्रिक सामान खरीदे हैं। आरोपी ने ड़200000 का बीमा भी करवाया है। सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी ने नमक व्यवसाय के नाम पर लोगों के रुपए लिए थे। जिसका प्रकरण सामान थाने में दर्ज था आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। उसने ठगी के रुपए से संपत्ति खरीदने की जानकारी दी है। पूरे मामले की जांच की जा रही है जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

थाना ऊमरी क्षेत्र में अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने से बेहोश हुई 22 वर्षीय युवती

डायल -100 के जवानों ने ततपरता से पहुँचाया अस्पताल,एसपी ने की सराहना

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले के थाना ऊमरी क्षेत्र के खेमउ सेवढा गाँव में अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने से एक 22 वर्षीय युवती बेहोश हो गयी है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 30/08/2024 को रात्रि 11

बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल ऊमरी थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक शनि यादव एवं पायलेट कल्लू बघेल ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने से प्रीति भदौरिया पत्नी अमित भदौरिया उम्र 24 साल निवासी खेमउ सेवढा गाँव बेहोश हो गयी थी। डायल 112/100 जवानों ने परिजन के साथ एड़ आर व्ही वाहन से ले जाकर ऊमरी अस्पताल मे भर्ती करवाया जहाँ पीड़ित युवती का उपचार किया जा रहा है। उक्त कार्य के लिए डायल - 100 के कर्मचारियों की पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव द्वारा सराहनीय की गई है।

सदस्यता अभियान के लिए भाजपा पदाधिकारियों की बैठक आज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व के संयुक्त आभार पर 2 सितंबर से प्रारंभ हो रहे संगठन पर्व सदस्यता अभियान को सर्वव्यापी और सर्व स्पर्शी बनाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने पांच विधानसभा में सदस्यता अभियान को लेकर एक प्रभारी नियुक्त किए हैं। भाजपा मीडिया सेंटर से मीडिया प्रभारी अजय शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है,कि विधानसभा भिण्ड जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, गोहद विधानसभा सदस्यता अभियान के जिला संयोजक डॉ रमेश दुबे, मेहगांव विधानसभा में जिला महामंत्री टोली के सदस्य मनोज अनंत, लहार विधानसभा में जिला उपाध्यक्ष टोली के सदस्य सज्जन सिंह यादव, अटेर विधानसभा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदौरिया को नियुक्त किया गया है जो कि अपने-अपने प्रभार विधानसभा में पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सदस्यता अभियान को प्रारंभ करेंगे। 1 सितंबर को अवंती बाई गार्डन नंबर 2 स्कूल के सामने भीम नगर चौराहा भिण्ड समय 2 बजे की आयोजित की जाएगी। जिसमें किसान मोर्चा,महिला मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा अनुसूचित जाति मोर्चा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

जब Rajkummar Rao की पत्नी को प्लेन में पड़ा जोरदार थप्पड़, तो क्यों याद आ गईं

तापसी पन्नू

इस हफ्ते ओटीटी पर कई धमाकेदार फिल्में और वेब सीरीज आने वाली हैं. फैन्स इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इन्हीं में से एक है- ड्डष्ट 814: The Kandahar Hijack. यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आने वाली हैं. हाल ही में मेलबर्न के HOYTS में इंडियन फिल्म फेस्टिवल के दौरान इसका प्रीमियर हुआ, जहां पहले के दो एपिसोड दिखाए गए थे. इस सीरीज में कंधार हाईजैक के सात दिनों की कहानी दिखाई गई है, जो सच्ची स्टोरी पर बेस्ड है. 29 अगस्त को इसे नेटफ्लिक्स पर लाया जा रहा है. सीरीज को अनुभव सिन्हा ने डायरेक्ट किया है. इसमें दीया मिर्जा, नसीरुद्दीन शाह, अमृता पुरी, पूजा गौर, विजय वर्मा और पत्रलेखा समेत कई स्टार्स नजर आ रहे हैं. 7 दिन पहले ट्रेलर आया था, जिसे गजब का रिस्पॉन्स मिला था. 2 मिनट 56 सेकंड के वीडियो में कंधार हाईजैक की कहानी का एक हिस्सा पता लगा है. सीरीज में 6 एपिसोड होंगे.सीरीज में एयर होस्टेस का किरदार निभा रहीं पत्रलेखा ने शूटिंग के दौरान के कुछ किस्से शेयर किए हैं. उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान किन परेशानियों का उन्हें सामना करना पड़ा था. हाल ही में न्यूज 18 को पत्रलेखा ने इंटरव्यू दिया था. उन्होंने कहा कि- प्लेन के अंदर बंद होने का एक्सपीरियंस बहुत अजीब था. जहां क्रू को मिलाकर एयरक्राफ्ट के अंदर लगभग 100 लोग मौजूद थे.

जब पत्रलेखा को प्लेन में पड़ा जोरदार थप्पड़

इंटरव्यू के दौरान पत्रलेखा ने बताया कि, प्लेन में एसी चल रहा था, लेकिन आवाज आने के चलते उसे बंद करना पड़ गया. इसके बाद एयरक्राफ्ट में ऐसे हालात हो गए थे कि पत्रलेखा का दम घुटने लगा. माहौल भी काफी खराब हो गया था. सीन्स को पूरा करने के बाद उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी. वहीं उन्हें पूरी तरह से ठीक होने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लगा था. आगे वो कहती हैं:

शूटिंग के दौरान डायरेक्टर अनुभव सिन्हा और मैं बीमार पड़ गई थी. मुझे इससे बाहर आने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लगा. मैं बीमार पड़ गई, अनुभव सर को बुखार था. फिर भी कुछ समय बाद आपका दिमाग वहीं रहता है. यह पूरा प्रोसेस की काफी मुश्किल था. उम्मीद है कि मैं कभी भी हाईजैक की स्थिति में नहीं आऊंगी. पर यह डरावना भी था.

इस दौरान पत्रलेखा ने यह भी बताया कि कैसे फिल्म के एक्शन सीन्स को शूट किया गया था. वो कहती है कि- फिल्म में एक ऐसा सीन है, जिसे फिल्माने के लिए उन्हें जोरदार थप्पड़ भी खाना पड़ा. हालांकि, इसके लिए वो मेंटली तैयार थी. थप्पड़ वाले सीन को करने से पहले उन्हें तापसी पन्नू याद आ गईं थी. उनका कहना था कि यह सुनने के बाद कि फिल्म 'थप्पड़' की शूटिंग के दौरान तापसी पन्नू को 15 बार थप्पड़ पड़े थे. इस बात ने उन्हें यह मुश्किल सीन को पूरा करने में मदद की है.बात है साल 1999 की. इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 हाईजैक हुई थी. 'आईसी 814: कंधार हाईजैक' की कहानी को इस सीरीज में दिखाया गया है. फिल्म में पत्रलेखा के किरदार का नाम है- 'इंद्राणी', जो एयर होस्टेस होती हैं.

9 साल में 99 प्रतिशत फिल्में FLOP, कंगना रनौत के लिए 'इमरजेंसी' का हिट होना क्यों जरूरी?

कभी 'तनु वेड्स मनु' की तनु बनकर तो कभी 'कृष 3' की काया बनकर अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाने वाली कंगना रनौत अब भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में पर्दे पर आ रही हैं. साल 1975 में भारत में लगे आपातकाल पर वो 'इमरजेंसी' नाम की एक फिल्म ला रही हैं. अभिनय के साथ-साथ कंगना ने इस पिक्चर को डायरेक्ट भी किया है. ये फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.रिलीज से पहले ये फिल्म काफी ज्यादा सुर्खियों में बनी हुई है. ज्यादा सुर्खियों में इसलिए, क्योंकि इस पिक्चर पर विवाद शुरू हो गया है. पंजाब में इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग हो रही है. पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में एक याचिका भी दायर हुई है, जिसमें कहा गया कि इस फिल्म में सिखों को गलत तरीके से दिखाया गया है. कंगना को जान से मारने की धमकी भी मिलचुकी है. यानी फिल्म के खिलाफ मामला गर्माता जा रहा है.

विवाद से फायदा भी नुकसान भी

जब भी किसी फिल्म को लेकर विवाद होता है तो मामला दो तरफ जाता है. पहला ये कि विवाद की वजह से फिल्म का एक तरह से प्रमोशन हो जाता है और फिर लोग उस फिल्म को देखने के लिए उत्सुक हो जाते हैं कि आखिर पिक्चर में ऐसा क्या है, जो विवाद हो रहा है. ऐसे में कहीं न कहीं फिल्म की कमाई में इजाफा हो जाता है. दूसरा मामला ये कि विवाद कि वजह से अधिकतर बार फिल्म को फजीहत झेलनी पड़ती है, कंट्रोवर्सी इस कदर बढ़ जाती है कि फिल्म फ्लॉप की ओर चली जाती है.

पहलू दो हैं और सवाल सिर्फ एक कि कंगना की इस फिल्म का हाल क्या होगा? क्या ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट में शुमार हो जाएगी या फिर फ्लॉप होकर कहीं गुमनाम हो जाएगी? इस सवाल का जवाब फिल्म रिलीज होने के बाद ही मिलेगा. लेकिन एक बात है, जो पहले से साफ है, वो ये है कि इस पिक्चर का कंगना के लिए हिट होना काफी जरूरी है.ऐसा हम क्यों कह रहे हैं, इस सवाल का जवाब कंगना के करियर में ही छिपा हुआ है. दरअसल, कंगना ने साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'गैंगस्टर' से अपना करियर शुरू किया था. फिल्म लोगों को पसंद आई, बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई भी हुई है. उसके बाद कंगना कई पिक्चर्स में दिखीं. उनमें से कुछ सक्सेसफुल हुईं तो कुछ के ऊफर फ्लॉप का धब्बा लग गया. मिला-जुलाकर मामला लगभग ठीक-ठाक चल रहा था. लेकिन फिर 2015 से उनके करियर ने ऐसी करवट ली कि फिर मामला ठीक-ठाक से नीचे चला गया.

Anupama के वनराज लड़ा चुके हैं प्रियंका चोपड़ा के साथ इश्क! 19 साल पहले किया था साथ काम

छोटे पर्दे पर अक्सर किसी न किसी सीरियल का राज देखने को मिलता रहता है. पिछले कुछ सालों से इस वक्त जो नंबर 1 की कुर्सी हथियाए बैठा है, वो सीरियल है अनुपमा. 'अनुपमा' घर-घर में देखा जाने वाला शो है. जब-जब अनुपमा की आंखों में आंसू आते हैं, तो उनके फैन्स की आंखें भी नम हो जाती हैं. हालांकि अनुपमा को रुलाने वाला शख्स कोई और नहीं, बल्कि वनराज है. वनराज का किरदार सुधांशु पांडे ने इतनी बखूबी निभाया है कि उन्हें लोगों की नफरत का कई बार सामना भी करना पड़ा है. खैर, बिना विलेन के कोई कहानी पूरी नहीं होती है. लेकिन इसी बीच पता चला है कि सुधांशु पांडे अब इस शो का हिस्सा नहीं होंगे.सुधांशु पांडे ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वो अब 'अनुपमा' में नजर नहीं आएंगे. इस खबर के सामने आने के बाद फैन्स काफी हैरान हैं. क्योंकि जब तक हीरोइन की जिंदगी में मुश्किलें पैदा करने वाला विलेन नहीं होगा, तो कहानी में मजा कहां से आएगा. इसके अलावा अब वनराज की जगह ले पाना भी दूसरे एक्टर के लिए मुश्किल होने वाला है. लोग वनराज से काफी कनेक्ट कर पाते हैं और वो एक अच्छे एक्टर भी हैं. हालांकि सीरियल के साथ-साथ सुधांशु फिल्मों में भी भी नजर आते रहते हैं. सुधांशु पांडे 19 साल पहले प्रियंका चोपड़ा के साथ भी रोमांस कर चुके हैं.

प्रियंका के साथ इश्क लड़ा चुके हैं 'वनराज'

साल 2005 में फिल्म 'यकीन' रिलीज हुई थी. इस पिक्चर में प्रियंका चोपड़ा और अर्जुन रामपाल लीड रोल में नजर आए थे. वहीं सुधांशु पांडे ने 'यकीन' में सपोर्टिंग रोल निभाया था. सुंधाशु को फिल्म में प्रियंका के साथ रोमांस करते हुए भी देखा गया है. पिक्चर की कहानी के मुताबिक प्रियंका शादीशुदा होते हुए भी उनके प्यार में पड़ जाती हैं और सुधांशु के साथ रिश्ता कायम करती हैं. अपने छोटे से रोल को भी सुधांशु ने बेहतरीन तरीके से निभाया था.

सलमान खान के साथ भी कर चुके हैं काम

सुधांशु पांडे को पिछली बार सलमान खान की फिल्म राधे में देखा गया था, जिसमें उन्होंने लोकल गैंगस्टर दिलाबर का रोल निभाया था.

सलमान खान के अलावा सुधांशु पांडे मेगास्टार रजनीकांत और अक्षय कुमार जैसे सितारों के साथ भी नजर आ चुके हैं. एक्टर ने विलेन के तौर पर भी कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन जो फेम उन्हें अनुपमा में वनराज मिलकर मिला, वो किसी फिल्म से हासिल नहीं हुआ.

'प्रेम और प्रीति वापस आ गए हैं...' सलमान-सोनाली बेंद्रे को एक साथ देख फैन्स को आई 'हम साथ-साथ हैं' की याद

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान जहां भी जाते हैं रंग जमा देते हैं. कुछ ऐसा ही हुआ मुंबई में ऑर्गनाइज इको-फ्रेंडली गणपति उत्सव में, जहां भाईजान ने महफिल में धमाल मचा दिया. ऑडियंस का दिल जीतने में सलमान माहिर हैं, फिर चाहे वो उनकी एक्टिंग हो या फिर उनका सोशल वर्क. दिव्याज फाउंडेशन की तरफ से आयोजित एक इवेंट में पहुंचे सलमान ने लोगों से इको-फ्रेंडली तरीके से गणेश चतुर्थी मनाने की अपील की.अब इवेंट में सलमान हों और उनका मस्तमौला अंदाज देखने को न मिले, ऐसा भला कैसे हो सकता है.

यहां भी बॉलीवुड के टाइगर ने जोरदार डांस किया और लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया. यही नहीं इस दौरान उन्होंने 'आते जाते जो मिलता है तुमसा लगता है' गाना भी गाया. सलमान पर्यावरण के अनुकूल गणेशोत्सव को समर्थन देते हुए 'बच्चे बोले मोरया' नाम के इवेंट में भी शामिल हुए थे. इस दौरान उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इको फ्रेंडली गणेश चतुर्थी मनाने पर जोर दिया.

सलमान ने किया 'वॉन्टेड' के गाने पर डांस

लाइट ग्रे कलर की टी-शर्ट और जीन्स पहने सलमान ने अपनी हिट फिल्म 'वॉन्टेड' के गाने 'मेरा ही जलवा' पर डांस किया. जैसे ही सलमान ने अपना हुक स्टेप किया लोग तालियां बजाने लगे. वहीं सल्लू ने भी फैन्स को फ्लाइंग किस दिया. इस इवेंट के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमे सलमान का ये मस्ती भरा अंदाज साफ देखा जा सकता है.

इको फ्रेंडली गणेशोत्सव मनाने का संदेश

'बच्चे बोले मोरया' इवेंट में सलमान खान ने स्पीच भी दी. एक्टर ने इको फ्रेंडली गणेशोत्सव मनाने का संदेश दिया.

उन्होंने कहा कि इको फ्रेंडली गणेश लाओ और अपनी सोसायटी, अपनी बिल्डिंग, अपने घर में ही उसका विसर्जन करो. उन्होंने कहा कि बहुत खराब लगता है जब लोग पीओपी की मूर्ति लाते हैं. उसका विसर्जन करने समंदर पर जाते हैं, लेकिन अच्छे से विसर्जन नहीं करते. एक्टर ने कहा कि विसर्जन के बाद कुछ मूर्तियों के सिर, धड़, पैर हर जगह बिखर जाते हैं और कुछ लोग भगवान गणेश की बिखरी हुई मूर्तियों पर पैर रख देते हैं, ये अच्छी बात नहीं है.

सोनाली बेंद्रे से गले मिले सलमान

इस इवेंट में सलमान की बहन अलवीरा अग्निहोत्री, अमृता फडणवीस, सोनाली बेंद्रे, सोनू निगम, कैलाश खेर, पुलिस कमिश्नर विवेक फलसंकर और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी भी मौजूद थे.

इस मौके पर सलमान, सोनाली बेंद्रे से गले मिलते नजर आए. फिल्म 'हम साथ साथ हैं'कि जोड़ी प्रेम और प्रीति ने एक दूसरे को गले लगाया. दोनों को सालों बाद एक साथ देखकर फैन्स काफी खुश हो गए. सोशल मीडिया पर इनकी जोड़ी के लिए लोग कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा है प्लीज कोई इन्हें फिर से एक साथ कास्ट करे, जबकि दूसरे ने लिखा , हाय, प्रेम और प्रीति वापस आ गए हैं !.

फिल्म 'सिकंदर' में आएंगे नजर

सलमान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. ये फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी. इस फिल्म में पहली बार सलमान एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे. फैन्स इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उत्पात करने वाले व आम लोगों को परेशान करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पार्क, आमजनो के घूमने कि लिये बने स्थानों पर पुलिस बल उपलब्ध कराने एवं आमजनो को कोई परेशानी न हो इस हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा निर्देशित किया गया है जो कि आज दिनांक 31.08.24 को सूचना मिली कि शहर के विभिन्न स्थानों सर्किट हाउस रोड भूसा के टाल के पास, मटका पार्क के पास, न्यू पुलिस लाइन रेल्वे स्टेशन रोड, के पास कुछ व्यक्ति उत्पात कर रहे है जो तत्काल ही पुलिस टीमों द्वारा दविश दी गई जो मौके से आरोपी 1. मुकेस पुत्र स्वं. बाबू लोह पीट उम्र 26 साल नि0 पोहरी बस स्टेण्ड के पास 2. मोन्टी पुत्र हीरालाल सेन उम्र 34 साल नि0 कस्टम गेट खारा कुआ के पास 3. महेन्द्र पुत्र कल्याण सिंह कुशवाह उम्र 30 साल नि0 टीव्ही टावर के पास 4. बृजेश पुत्र फोसूराम रजक उम्र 56 साल नि0 घोसीपुरा 5. अजय पुत्र माखन कुशवाह उम्र 34

साल नि0 बसंत बिहार 6. कल्याण पुत्र हरप्रसाद उम्र 29 साल नि0 बसंत बिहार 7. कालिया पुत्र बाबू लोहपीटा उम्र 30 साल नि0 पोहरी चौराहा के उत्पात करते मिले जिससे लोगो में भय का वातावरण उत्पन्न हुआ जो उक्त सभी व्यक्तियों को तत्काल ही कमशः इस्त.क. 112/24, 113/24, 114/24, 115/24, 116/24, 117/24,118/24 चारा 170,126/135 (3) बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया एवं आरोपीगणों एसडीएम न्यायालय शिवपुरी पेश किया गया। सभी आरोपीगणों व्दारा थाना पर भविष्य में लडाई झगडा न करने की बात स्वीकार की एवं भविष्य में अच्छी तरह रहना बताया थाना कोतवाली पुलिस व्दारा सार्वजनिक क्षेत्रो व आमजनो के घूमने वाले स्थल पार्को व मुख्य चौराहो पर लगातार पुलिस बल तैनात किया जाकर असामाजिक तत्वो के विरुध्द कार्यवाही की जा रही है जो निरंतर जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिका:उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली रोहित दुबे, प्र0आर0 335 महेश भास्कर, प्र0आर0 142 नरेश यादव, प्र0आर0 15 रघुवीर पाल, प्र0आर0 792 रविन्द सिनोरिया, आर) अशोक, आर) शिवकुमार, आर0 राहुल, आर0 भूपेन्द्र, प्र0आर0 चालक इन्द्रपाल की विशेष भूमिका रही।

चोरी के मामले मै फरार चल रहे आरोपी को ग्वालियर से किया गिरफ्तार चोरी

60000 का माशूका किया बरामद

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी जिले मैं चल रही सम्पत्ति संबंधी अपराधों में आरोपी की गिरफ्तारी व माल मशरूका बरामद हेतु अभियान चलाया जा रहा है जिसके लिए पोहरी थाना प्रभारी रविशंकर ने में एक साल पहले ग्राम घटाई व ग्राम राठखेड़ा में हुई चोरी में फरार चल रहे आरोपी कल्ला उर्फ, कल्लू उर्फ महाबीर पुत्र सभाराम गुर्जर उम्र 37 साल निवासी ग्राम इटावली थाना सुमावली जिला मुरैना को टपरिया मंदिर के पास घाटीगांव जिला ग्वालियर से गिरफ्तार किया जाकर अपराध सदर में पूछताछ की गयी आरोपी के द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किया बाद आरोपी के कब्जे से चोरी गया माल दो सोने की अंगूठी, एक चांदी का ओम, एक चांदी की जंजीर, एक सोने का बैंदा कीमती करीवन 60,000/- रूपये का माल मशरूका जप्त किया गया बाद आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी पोहरी निरी. रविशंकर कौशल, उनि. रामेश्वर शर्मा, सउनि प्रकाश सिंह बुनकर, आर. 1174 रामनिवास, आर. 1179 धर्मेन्द्र रावत, आर. 1031 हरीशंकर, आर. 1075 सूरज टैगौर की सराहनीय भूमिका रही।

सोयाबीन फसल को कीटों से बचाए

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को दी सलाह

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले में सोयाबीन की फसल सामान्य रूप से स्वस्थ एवं अच्छी दशा में है, लेकिन कई जगह कीटों की समस्या जिसमे सेमीलूपर, बिहारहेयरी केटरपिलर, तंबाकू की इल्ली, गर्डल बीटल जैसे कीटों की इल्लियां की समस्या देखने में आ सकती है। जिला प्रशासन के निर्देशन में कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी द्वारा किसान भाईयों को संयुक्त परामर्श भी दिया जा रहा है कि सोयाबीन को ऐसी स्थिति में यदि ऐसे कीटों की समस्या दिखाई दे तो अनुशंसित कीटनाशक का ही छिड़काव करें। जिसमें क्लोरएंट्रीनिप्रोल एवं लेमडासाईहेलोथ्रिन पूर्व मिश्रित दवा 200 मिली प्रति हेक्टेयर या बीटासाईहेलोथ्रिन एवं इमिडाक्लोप्रीड पूर्व मिश्रित 350 मिली प्रति हेक्टेयर या फ्लूवेंडामाइड 150 मिलीलीटर प्रति

हेक्टेयर या इंडोक्जाकार्ब 333 मिली प्रति हेक्टेयर में से किसी एक कीटनाशक दवा का छिड़काव 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर फसल पर स्प्रे करें। वर्तमान दशा में फूल से फली का निर्माण हो रहा है तथा फलियां में दाने बनने की अवस्था शुरुआत हो रही है ऐसी स्थिति में कीटों से बचाए रखना बहुत जरूरी है। अधिक जानकारी के लिए कृषि विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिकों से परामर्श लेते हुए फसल को बचाने के लिए एकीकृत कीट रोग नियंत्रण के उपाय भी करें। जिससे फसल स्वस्थ बनी रहे तथा भरपूर उत्पादन प्राप्त हो। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा कृषि विभाग के सभी मैदानी अमले को फील्ड मे भ्रमण करने एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों विशेषज्ञ की संयुक्त टीम बनाकर भी भ्रमण कर किसानों को कीट रोग नियंत्रण के साथ साथ समसामयिक कृषि की सलाह देने के लिए निर्देश दिए है। समसामयिक सलाह एवं कीट रोग नियंत्रण के निगरानी तथा अनुशंसा के अनुसार परामर्श के लिए कृषि के मैदानी अमले द्वारा क्षेत्र में सतत भ्रमण किया जाएगा।

भगवान राम एवं सीता माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक पर मामला दर्ज

संवाददाता प्रदीप जैन (पिंटू) रत्नौद

रत्नौद-पशिवपुरी जिले के रत्नौद क्षेत्र के धंधेरा गांव के निवासी कल्याण जाटव ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट शेयर की, जिसमें भगवान राम, माता सीता और सम्पूर्ण रामायण के प्रति आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया था। इस पोस्ट के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। कई लोगों ने उसका स्क्रीनशॉट लेकर उसे सोशल मीडिया पर फैलाना शुरू कर दिया।

जब लोगों ने इस आपत्तिजनक पोस्ट की निंदा करते हुए अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कल्याण जाटव के कृत्य की आलोचना की, तो कल्याण ने बेबाकी से इन आलोचनाओं पर टिप्पणी करते हुए अपने कृत्य को सही ठहराने की कोशिश की। कल्याण भीम आर्मी का कार्यकर्ता है, पोस्ट के वायरल होते ही शक्ल हिंदू समाज सक्रिय हो गया रत्नौद

थाने में करीब आधा सैकड़ा विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और हिंदू संगठनों ने आवेदन दिया, पोस्ट की स्क्रीनशॉट को आधार बनाकर रत्नौद थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान ने कल्याण जाटव के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया इस मौके पर नरेंद्र सिंह सिकरवार अवध वोहरे, मनोज सिंह जाट विश्व हिंदू परिषद, भीम वोहरे, विक्रम सिंह चौहान बंटी जाट संदीप शर्मा, अमन गांधी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।नरेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया है कल्याण जाटव ने घृणित कार्य किया है समाज में द्वेष फैलाने का प्रयास किया है, इस प्रकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए और दोषि को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भादवी बीज को लेकर तैयारियां जोरों पर

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बाली -सीरवी समाज आईजी युवा समिति के तत्वावधान में 5 सितम्बर को सुबह आईमाताजी मंन्दिरो में विशेष पूजा अर्चना कर शोभायात्रा निकाली जाएगी, 4 सितंबर को शाम महाप्रसादी कार्यक्रम एवं रात्रि एक शाम आईमाताजी के नाम शानदार भजन संध्या गायक कलाकार अमृत परिहार जाणा डांसर मोहन मेवाड़ा, प्रियंका उदयपुर आस्था मिज्युक गुरूप बेनर तले कार्यक्रम आयोजित। दीपक प्रज्वलित सदुरु श्री भंवर महाराज नारलाई धाम द्वारा कार्यक्रम शुभारम्भ। समाज के कोटवाल नथाराम सोलंकी व जमादारी कानाराम काग एवं युवा समिति अध्यक्ष अशोक गहलोत की अगुवाई में शोभायात्रा आईमाताजी मन्दिर आईजी चौंक से रवाना होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जैकलजी मंदिर प्रांगण में समापन समारोह प्रतिभावान

समारोह में अतिथि णों में पाली सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री। पी पी चौधरी जितेन्द्र कुमार पाण्डेय अतिरिक्त जिला कलक्टर बाली, दिनेश कुमार विशनोई उपखंड अधिकारी बाली ,डां उम्मेद कुमार सहायक आचार्य महाविद्यालय बाली एवं नगरपालिका अध्यक्ष भरत चौधरी होगे। कार्यक्रम को लेकर शोभायात्रा में कलश यात्रा, घोड़े पर ध्वजा, बैलगाड़ी नगाड़ा निशान, ग़ेर नृत्य, रथयात्रा विभिन्न प्रकार की झांकियां रंग बिरंगी गुलालों पोशाकों सहित। तैयारियां कों लेकर सीरवी समाज समिति के पदाधिकारियों उपाध्यक्ष ओटाराम परमार, भगाराम गहलोत, जसाराम गहलोत, भोलाराम राठौड़, जगाराम सोलंकी, नेनाराम काग, मदनलाल गहलोत, धन्नाराम सीरवी हेमाराम परमार, रामलाल सीरवी,असाराम चौधरी,मुलाराम गहलोत, ताराराम सीरवी सुरेश कुमार गणेश सीरवी सहित बड़ी संख्या समाज के कार्यकर्ताओं में जोश है। यह जानकारी सीरवी आईजी युवा समिति के मिडिया प्रभारी खेताराम महाराज ने दी।

सड़क पर चलती स्कूल वैन में लगी आग,बाल-बाल बची स्कूली छात्रों की जान

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी जिले की पोहरी विधानसभा क्षेत्र में स्कूली छात्र भीषण हादसे का शिकार होते-होते बाल-बाल बच गए. दरअसल शनिवार को बच्चों को स्कूल ले जाते समय वैन में अचानक आग लग गई. जिसके कुछ मिनट बाद ही आग ने पूरी वैन को अपने कब्जे में ले लिया.आग को बढ़ता देखकर बच्चों ने शोर मचाना शुरु किया तो आसपास खेतों पर मौजूद ग्रामीणों और ड्राइवर ने वैन में से स्कूली बच्चों को बाहर निकाला। यह मामला शिवपुरी जिले के पोहरी विधानसभा क्षेत्र के छर्च थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव का है.जहां शनिवार को स्कूली बच्चों को लेने गई एक प्राइवेट स्कूल की वैन में अचानक आग लग गई.आग लगते ही वैन धू-धू कर जलने लगी.जिसके बाद आग की लपटों ने वैन को पूरी तरह से चपेट में ले लिया. वैन ड्राइवर और ग्रामीणों की मदद से बच्चों को वैन से सुरक्षित निकाला गया.वैन में आग लगने का कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है.वैन में आग लगने की सूचना मिलने के बाद पोहरी नगर परिषद की फायर ब्रिगेड

की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया.

शिवनाथ सिंह सिकरवार थाना प्रभारी छर्च- छर्च थाना क्षेत्र के चांदपुर रोड की पुलिया के पास एचबी पब्लिक स्कूल चांदपुर की वैन में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी.इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.आग लगने का कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

मझगवां में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना। जिले के मझगवां कस्बे में मुख्य बाजार पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर अवैध रूप से निर्मित 92 मकानों के विरुद्ध कार्यवाही

किए जाने उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद कलेक्टर ने उक्त मकानों को गिराए जाने का आदेश जारी किया कलेक्टर द्वारा आदेश जारी किए जाने के उपरांत राजस्व अमले ने अवैध मकानों को चिन्हित कर आज शनिवार को उक्त मकान को गिराने की कार्यवाही आरंभ की बता दें कि कुल 92 मकानों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने का आदेश जारी किया गया था, किंतु इस बीच जब चिन्हित अतिक्रामकों को उनका मकान गिराए जाने का नोटिस राजस्व अमले द्वारा दिया गया तो लगभग 40 लोगों ने सिविल न्यायालय से स्थगन प्राप्त कर लिया किंतु अन्य 52 लोग स्थगन प्राप्त नहीं कर सके जिसके उपरांत आज लगभग 52 मकानों के गिराए जाने की कार्यवाही राजस्व अमले द्वारा भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की जा रही है। पूरी कार्यवाही में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा द्वारा 6 कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है।

कार्यवाही के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत तैनात चित्रकूट एसडीओपी रोहित राठौर एवं सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र द्विवेदी-वहीं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा चित्रकूट एसडीओपी रोहित राठौर के नेतृत्व में मझगवां थाना प्रभारी निरीक्षक आदित्य नारायण धुर्वे, सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र द्विवेदी, बरौधा थाना प्रभारी निरीक्षक अभिनव सिंह एवं पुलिस लाइन से आए निरीक्षक समीर खान के साथ भारी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

चित्रकूट विधानसभा के मझगवा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गोडगावा की रोड का हाल बेहाल

पुस्पंजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

मामला चित्रकूट विधानसभा के मझगांव ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गोडगावा का जहा पर पंचायत द्वारा आरसीसी रोड का तो निर्माण किया गया पर पानी निकासी नहीं की गई रोड में 1फुट पानी भरा रोड से निकलने में हो रही समस्या मध्य प्रदेश शासन की जमीन होने के बाबजूद भी नही हो रहा नाली का निर्माण क्यू की पंचायत के कर्मचारी रशुक दारो से डर रहे है उसी रोड में कई घरों का गंदा पानी भी आ कर हो रहा इकट्ठा जो की बरसात का पानी रोकने का तो किसी का अधिकार ही नही है फिर भी गोडगावा ने सारे नियम कानून खतम है सरपंच सचिव केवल खानापूर्ति तक ही सीमित है।

दतिया में आज श्री गंगा चरण राजपूत पूर्व सांसद जी ने पीताम्बरा माई के दरबार में बुन्देलखण्ड प्रान्त बनाने के लिए माई से प्रार्थना अर्चना की

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

साथ मे अशोक राजपूत क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बीजेपी कानपुर बुन्देलखण्ड प्रान्त प्रियंका भारती प्रदेश प्रवक्ता मप्र भाजपा व्लाक प्रमुख सीमा कुशवाहा ब्लाक प्रमुख संदीप राजपूत बैभव अरजरिया नगर पंचायत अध्यक्ष डा दिग्विजय द्विवेदी पूर्व भाजपा अध्यक्ष शैलेन्द्र अवस्थी झाँसी हरिमोहन सिंह लोधी जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय लोधी से महासभा विवेक कुमार राजपूत साकुली बसई गौरव राजपूत दतिया महेन्द्र राजपूत दतिया आदि लगभग दो सौ से अधिक लोगों ने माई प्रार्थना की।

इस तरह से करें बेकार पड़े प्लास्टिक के कपों का इस्तेमाल

हम सभी बाजार से बहुत सी ऐसी चीजें ला कर इस्तेमाल करते हैं जो प्लास्टिक के कपों, बोतल, बर्तनों, थैलों आदि में आती है। हम घर की सफाई करने के लिए इन कपों, बोतलों आदि का इस्तेमल करने के बाद कचरे में फेक देते हैं। पर यह सभी चीजें फेंकने के बाद भी जल्दी से गलती नहीं हैं। ऐसी प्लास्टिक की चीजों को गलने में बहुत समय लगता है। बहुत से शहरों और राज्यों में इन चीजों का उपयोग करने के लिए प्रतिबंध लगाएं गए हैं। इसलिए आज हम आपको इन प्लास्टिक के कपों को घर में इस्तेमाल करने के लिए कुछ आसान से टिप्स बताएगें। इसे आप इन चीजों को फिर से रीसायकल बिन कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

- पेन रखने के लिए स्टैंड बनाएं

आप इन कपों से पेन रखने के लिए स्टैंड बना सकते हैं। ताकि बच्चें अपना प्रोजेक्ट बनाने का सारा सामान इसमें इकट्ठा करके रख सकें। - टूथब्रश रखने के लिए होल्डर अक्सर हम सभी जब बाजार से दही लेकर आते हैं तो दही खाने के बाद उन कपों को फेक देते हैं। आप इन कपों को फेंकने की जगह रंगों से डिजाइन बना कर घर में इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे कि उन्हें बाथरूम में टूथब्रश रखने के लिए होल्डर बना कर टांग सकते हैं।

- पैसे रखने के लिए

आप इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों में टूटे सिक्कों रख सकते हैं, ताकि आप सिक्को को एक जगह पर रखे सकें और ढूंढने में किसी तरह की दिक्कत भी न हो। - एस्सेसरीज चीजें रखने के लिए

जब भी हम किसी फंक्शन से आते हैं तो अपनी कीमती चीजें जैसे कि ईयरिंग्स या चैन आदि को घर में कही भी रख देते हैं। जिसे यह सारी चीजें गुम हो सकती हैं। इसलिए इन्हें एक जगह पर रखने के लिए ऐसी एस्सेसरीज चीजों को इकट्ठा करके इन प्लास्टिक कपों में संभाल कर रख सकती हैं। - पौधे लगाने के लिए बीज बोएं

आप घर में इन बेकार पड़े प्लास्टिक कपों और बाल्टियों में मिट्टी डालकर पौधो के बीज लगा सकते हैं, जैसे कि धनिया, पुदिना आदि के बीज। - कपों का पेपरवेट बनाएं

बाजार से मंहगे पेपरवेट लाने की जगह पर आप घर में बेकार पड़े सामान और प्लास्टिक के हैवी कपों का पेपरवेट बना सकते है। - कलर पैलेट

अगर आपके बच्चों चित्रकला का करने का शौक रखते हैं तो उन्हें रंगों के अलग-अलग शेड बनाने के लिए प्लास्टिक के कप दें सकते है। इन कपों में रंग सूखते नहीं है और उन्हें इस्तेमाल में भी लाया जा सकता हैं।

घर में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आजकल हर घर में कॉकरोच आम देखने को मिलते हैं। कॉकरोच घर में जगह-जगह पर आपना घर बना कर मजे से रहते हैं। ऐसे में अगर हमारी किचन में खाने पीने की चीजों के आस पास कॉकरोच घुमते रहें तो पेट जैसी बहुत सी बीमारियां हो जाती हैं। अगर आप कॉकरोचों से परेशान हो गए है तो आज हम आपको कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कुछ आसान से घरेलू टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- लौंग

वैसे तो हम सभी लौंग का इस्तेमाल खाने में करते हैं, पर अगर आपके रसोईघर में बहुत ज्यादा कॉकरोच है तो उनसे मुक्ती पाने के लिए भी इसका उपयोग कर सकते है। ऐसे में अगर आप किचन कैबिनेट के अंदर थोड़े लौंग रख दें ताकि कॉकरोच भाग जाए।

- रेड वाइन

आप रसोईघर में बनी कैबिनेट के अंदर एक कटोरी में 1/3 रेड वाइन रख कर भी इनका खात्मा कर सकते हैं। - पाउडर वाली चीनी कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए आप एक कटोरी में या फिर किसी बोतल की ढक्कन में चीनी का पाउडर डाल कर रख दें। चीनी को बोरिक एसिड के साथ मिलाकर भी रख सकते है।

- अण्डा

घर में हर कोई अंडा तो खाता ही है। पर हम सभी अण्डे के छिलकों को कचरे के डिब्बा में फेक देते है। अब आप ऐसा न करें। यदि आपकी किचन में कॉकरोच हैं तो उन्हें दूर करने के लिए आप अण्डे के छिलको को कैबिनेट या स्लेब पर रख दें।

- बेकिंग पाउडर

किचन में कॉकरोचों का खात्मा करने के लिए कटोरे में बेकिंग पाउडर डाल कर कैबिने के अंदर और बाहर रख दें। ध्यान में रखें कि 10-15 दिनों के बाद इस बदल जरूर दें क्योंकि नमी की वजह से इसकी महक चली जाती है।

घर में रखा है पालतू जानवर, तो इस तरह से करें

साफ-सफाई

जिन लोगों को घर में जानवर रखने का शौक है उन्हें उसकी देखभाल के साथ-साथ घर की साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखना पड़ता है। वह जानवर की देखभाल अपने बच्चों की तरह करते हैं। फिर भी वह जितनी भी कोशिश कर लें, पर उनके लिए घर की सफाई करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जानवर आपके घर की साफ-सफाई को खराब कर ही देता है क्योंकि उसके शरीर के बाल घर में जगह-जगह पर बिखरे रहते हैं। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप जानवर होने पर किस तरह से घर की साफ-सफाई करें। तो आइए जानते है कैसे...

- नस्ल के बारे में जान लें घर में जानवर रखने से पहले उसकी नस्ल के बारे में जरूर जान लें क्योंकि कुछ नस्ल के जानवरों के बाल गिरते रहते हैं। ऐसे में आप घर पर हल्के बालों वाले जानवर ही पाले।

- देखभाल

अगर आपने घर में ऐसी नस्ल वाला जानवर रखा है जिसके बाल गिरते है तो ऐसे जानवरों के बालों की देखभाल जरूर करें। ऐसे में उसे समय पर नहलाएं और उसकी एक ड्रेस बना कर पहनाएं। हो सके तो जानवर के बालों को अच्छा रखने वाली दवा व क्रीम लगाएं।

- कारपेट और कपड़े

घर की सफाई करते समय कॉरपेट, बेडशीट, बिस्तर, सोफा आदि को अच्छे से साफ जरूर करें क्योंकि इस पर जानवर के बाल भी लगे हो सकते हैं। कोशिश करें कि हर हफ्ते एक बार वैक्यूम क्लीनर से घर के साफ जरूर करें।

- दाग

जानवर घर में कहीं भी मल या मूत्र देखे हैं, जिससे उस जगह पर दाग पड़ जाते हैं।अगर वह कॉरपेट पर कर दें तो यह जल्दी खराब हो जाता है। इसलिए उस जगह को शीघ्र ही साफ करें।

- कमरे की सजावट

कमरे में पड़े महंगे सामान को जानवर की पहुंच से दूर रखें। कमरे को तभी खोंले जब घर में मेहमान आएं। हो सके तो सभी चीजों की दिन में एक बार डस्टिंग जरूर कर लें।

- जानवर से फर्श को बचाएं

अगर आपके घर में पीवीसी शीट वाली फर्श बिछी है तो जानवर से फर्श को बचाएं क्योंकि सभी जानवरों के पंजे गढ़ाने की गंदी आदत होती है। वह शीट वाली फर्श को खराब कर सकता है। - प्रशिक्षण दें

अगर आप घर में जानवर को रखना चाहते हैं तो उसे घर में बैठने-उठने की अच्छी ट्रेनिंग दें।

खुश रहना है बहुत आसान

आपको यह बात थोड़ी अटपटी लग सकती है, लेकिन सच है कि कुछ छोटी-छोटी बातों को अपनी जीवनशैली में शामिल करके हमेशा तनावमुक्त और खुश रह सकती हैं।

1. सुबह अपने लिए थोड़ा समय जरूर निकाले ताकि आपके मस्तिष्क में अच्छे विचार आ सकें। इसके लिए आंखें बंद करके सकारात्मक भाव वाली किसी कविता या प्रार्थना का सस्वर पाठ करते हुए गहराई से उसका अर्थ समझने का प्रयास करे। इस दौरान नाक से सांस लें और उसे मुंह से वापस छोड़े। दिन भर तनावमुक्त रहने के लिए यह अच्छा व्यायाम है।

2. हाल ही में किए गए सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते उनमें शारीरिक और मानसिक तनाव बहुत अधिक होता है और जो लोग सुबह के नाश्ते में पौष्टिक चीजें जैसे स्प्राउट्स, फल, जूस आदि लेते है उन्हे किसी तरह के तनाव का अनुभव नहीं होता। नाश्ते में मौजूद जिंक, विटमिन सी, विटमिन बी और मैग्नीशियम आपके शरीर को तनाव के नकारात्मक असर से लड़ने की ऊर्जा देते है।

3. अपने शारीरिक और मानसिक तनाव के लक्षणों को पहचानने की कोशिश करे कि किस स्थिति में आप स्वयं को ज्यादा तनावग्रस्त महसूस करती है। जब कभी तनाव महसूस हो तो इसे दूर करने के लिए आप यह करे-अपनी पीठ बिलकुल सीधी रखें, पेट के निचले हिस्से को भीतर की ओर हलका सा सिकोड़े और वापस उसी अवस्था में छोड़ दें। कम से कम चार-पांच बार ऐसा करने से आप स्वयं को तनावमुक्त महसूस करेगी। इससे सांस सही ढंग से चलने लगती है।

4. कंप्यूटर पर लगातार काम करते-करते आंखें थक जाती है। इस समस्या से बचने के लिए कम से कम हर तीन घंटे के अंतराल पर अपनी हथेलियों से दो मिनट के लिए पलकें बंद करे और फिर धीरे-धीरे आंखें खोलें। इससे आराम महसूस होगा।

5. हंसना तनाव दूर करने का सबसे आसान उपाय है। इसलिए टीवी पर गंभीर कार्यक्रमों के बजाय कोई कॉमेडी शो देखें।

6. संगीत तनाव दूर करने का सबसे बेहतर जरिया है। इसलिए वीकएंड में न सिर्फअपनी पसंद का संगीत सुनें, बल्कि खुद भी खुले गले से गुनगुनाएं। वैज्ञानिक सर्वेक्षणों से साबित हो चुका है कि गाने से मस्तिष्क तक ऑक्सीजन का प्रवाह तेज गति से होता है और इससे व्यक्ति तनावमुक्त महसूस करता है।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में अपने हक के लिए वर्षों की लड़ाई में आखिरकार

मिली जेसी मिल मजदूरों को जीत, मजदूरों की जीत का प्रमुख संघर्ष ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के जन सेवक और मध्य प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर जी द्वारा किया गया, चुनी संघर्ष की राह और तपकर बने जन-जन के सेवक

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में अपने हक के लिए वर्षों की लड़ाई में आखिरकार जेसी मिल मजदूरों की जीत का रास्ता साफ हो ही गया है। मिल मजदूरों की इस जीत के लिए यदि किसी के भगीरथी संघर्ष की बात की जाए, तो वह हैं ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के जन सेवक और मध्य प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर। एक तरह से देखा जाए, तो उन्होंने समाजसेवा के लिए किसी शॉर्टकट मार्ग को अख्तियार करने के बजाय अपनी सियासत का आगाज़ ही संघर्ष से किया। तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री और ग्वालियर के महाराज कैलाशवासी श्रीमंत माधव राव सिंधिया से प्रभावित होकर छात्र राजनीति से ही उनके दामन को थामकर सिंधिया ब्रिगेड के इस सच्चे सिपाही ने आज जनसेवा के मार्ग पर चलकर जन-जन के मन में अपनी पृथक पहचान बनाने में सफलता हासिल कर ली। जन समस्याओं के समाधान के लिए किसी अधिकारी या कर्मचारी का मुंह नहीं देखा, बल्कि खुद कीचड़ में उतरकर सियासत को कीचड़ कहने वाले लोगों के भी मुंह बंद कर दिए। उपनगर ग्वालियर यानि विधानसभा-15 में एक ऐसा दौर भी था, जब ग्रेसिम मिल, ग्वालियर रेन, सिमको और जयाजी राव कॉटन मिल (जेसी मिल) आदि औद्योगिक संस्थानों के कारण यह इलाका ग्वालियर का सरसब्ज इलाका कहलाता था। उस समय के मिल मजदूरों की रहीशी के लिए एक कहावत मशहूर थी ÷10 हजार का पौदीना हमारी छत पर सूख रहा है÷ उनकी सम्पन्नता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां की औद्योगिक इकाइयों को ऐसी नजर लगी कि एक के बाद एक सभी मिल बंद हो गए, और शुरू हुआ मजदूरों के पलायन का सिलसिला। इनमें से कुछ तो अपने खुशहाल परिवार को छोड़कर सुदूर रोजगार की तलाश में निकल गए, तो वहीं मजदूरों के बहुत बड़े वर्ग ने मिल गेट के सामने सर्दी-गर्मी और बरसात की परवाह किये बगैर हक की लड़ाई लड़ने का मार्ग चुना। सच कहा जाए तो जेसी मिल के चक्के थमने के बाद तीन दशक से यह वीरान पड़ा है। जिस दिन से यह मिल बंद हुआ, ग्वालियर के विकास का पहिया तभी से थम सा गया था। ऐसा भी नहीं है कि प्रद्युम्न सिंह तोमर से पहले किसी राजनेता ने मिल मजदूरों के हक की बात नहीं की है। बात तो की मगर अपना मकसद और इच्छा शक्ति सियासी कामयाबी हासिल करने तक ही सीमित रही। अपने साथ न्याय की लालसा में ऐसे व्यक्तियों को भी इन मजदूरों ने चुना जो फर्श से उठकर अर्श पर पहुंच गए, मगर एक बार भी उनकी आवाज नहीं बनने की जेहमत नहीं उठाई। लेकिन कुदरत और को कुछ और ही मंजूर था, साल 2008 में प्रद्युम्न सिंह तोमर के रुप में ग्वालियर के वाशिंदों को एक सच्चा जन सेवक मिला। प्रद्युम्न सिंह तोमर पहली बार यहां से विधायक बने तो उन्होंने मिल मजदूरों के हक की आवाज को पुरजोर बुलंद किया। हर चुनाव में जेसी मिल मजदूरों को उनका वाजिब हक दिलाने के लिए सियासी मंचों पर मुद्दा बनाया गया, मगर उनके लिए अड़ने और

लड़ने के लिए कोई नेता या समाजसेवी संगठन सामने नहीं आया। एक ऐसा भी समय आया जब प्रद्युम्न सिंह तोमर के संघर्ष को विपक्ष ने नौटंकी बताकर अपनी छाती भी खूब पीटी, लेकिन जिद्द, जज्बे और जुनून के पक्के प्रद्युम्न सिंह तोमर कहां रुकने वाले थे। उन्हें जब और जहां मौका मिला, उन्होंने मिल मजदूरों की बात को आगे रखा। लंबे संघर्ष के बाद वह समय भी आया जब ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का संघर्ष सफलता में तब्दील हुआ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में आयोजित रीजनल इण्ड्रस्टी कॉन्क्लेव में मिल मजदूरों को उनके वाजिब हक और देनदारी अदा करने को लेकर मंच से घोषणा कर दी। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने जेसी मिल श्रमिकों के मुद्दे उठाकर प्रद्युम्न सिंह तोमर पर तरह-तरह के आक्षेप लगाए। बावजूद इसके प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने बचाव में कोई सफाई देने की अपेक्षा संघर्ष का मार्ग ही चुना। उन्होंने जेसी मिल मजदूरों के घरों पर जाकर एक ही बात कही थी कि सेवक की बात पर भरोसा हो तो ही अपना आशीर्वाद देना। जेसी मिल मजदूरों को प्रद्युम्न सिंह तोमर के संघर्ष और साफगोई पर भरोसा था, शायद इसीलिए जेसी मिल मजदूरों और उनके परिवारों ने अपने इस जन सेवक को चुनाव में भरपूर आशीर्वाद दिया और उन्होंने केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के माध्यम से हर मंच पर बात रखी और अंततः सफलता मिली। साल 2018 में मंत्री बने, तो लगा कि लड़ाई आसान हो गई, लेकिन क्षेत्र के विकास को लेकर भेदभाव के चलते कांग्रेस सरकार पलट गई। इसके बाद भाजपा सरकार में शामिल होने के बाद प्रद्युम्न सिंह तोमर के लिए मिल मजदूरों को इंसाफ दिलाने की आस जगी, तो उन्होंने केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने बात रखी। इस पर मिल मजदूरों को मकान का मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ हुआ और जब प्रद्युम्न सिंह तोमर ने केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के मार्गदर्शन में यह मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखा, तो मजदूरों को हक और प्रद्युम्न सिंह तोमर को जीत मिली। इस तरह लंबे संघर्ष ने एक बार फिर विरोध और झूठ की सियासत को नकार दिया। वहीं केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके सिपाही प्रद्युम्न सिंह तोमर के सफल प्रयासों से ग्वालियर के मिल मजदूरों को उनका हक और युवाओं को रोजगार मिलने की राह आसान हुई है।

संघर्ष की कहानी-उपनगर ग्वालियर में आज हर जगह विकास की इबारत लिखी जा रही है, लेकिन एक दौर ऐसा भी था, जब कद्दावर सियासी दखल के बावजूद भी इस विधानसभा ने अति पिछड़ेपन का दंश झेला है। आज स्वचछता की बात करें या पूरी विधानसभा में डिवाइडर युक्त फोरलेन सड़कों की, अथवा ऐलिवेटेड रोड, अंतर्राष्ट्रीय बस टर्मिनल या ग्वालियर रेलवे स्टेशन के कायाकल्प की, यह सब प्रद्युम्न सिंह तोमर की उसी नौटंकी का परिणाम है, जिसका सियासी विरोधी कभी उपहास बनाते थे।

बहुत कठिन है जनसेवक बनना-आज की सियासत में जनता के अपनेपन का प्यार पाकर बॉस बनना बहुत आसान है मगर कठिन है, तो ऊंचे मुकाम पर पहुंचने के बाद सहज रहकर जनता का सेवक बने रहना। बहुत कम लोग जानते हैं कि 2008 में प्रद्युम्न सिंह तोमर जीत कर अपने पिता स्वर्गीय श्री हाकिम सिंह तोमर के सामने पहुंचे। उस वक्त पिता ने नसीहत दी कि बेटा अब तक हम ही आपका परिवार थे, अब विधानसभा के लोग तुम्हारा परिवार है, इनकी चिंता करोगे, तो तुम्हे अपनी चिंता करने की जरुरत नहीं पड़ेगी।

सड़क के साथ नाली अवश्य बनाए: निगमायुक्त

ग्वालियर। सड़क के साथ नाली का आवश्यक रूप से बनाएं तथा यह सुनिश्चित करें कि सड़क के साथ नाली बने जिससे पानी निकासी प्रॉपर हों। यह बात निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने शनिवार को बाल भवन में सीवर, सड़क, पेंच रिपेयरिंग सहित अन्य विभागों की बैठक लेकर अधिकारियों से कहीं। निगम आयुक्त श्री वैष्णव ने कहा कि निगम द्वारा जिन-जिन सड़कों पर पच रिपेयरिंग कराई गई है उन सड़कों की सूची बनाएं तथा वह सड़कें किस विभाग की है, यह भी अंकित करें जिससे संबंधित विभाग को पेंच रिपेयरिंग का पत्र भेजा जा सकें। इसके साथ ही सीवर लाइन के लिए जहां भी सड़क खोदी जाए वहां जानकारी दी जाए तथा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि जहां भी अवैध नल कनेक्शन है उन्हें काटने की कार्रवाई करें तथा जलकर वसूली पर ध्यान दें और लक्ष्य के अनुरूप जलकर वसूली करें। बैठक में अपर आयुक्त विजय राज, मुनीष सिकरवार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आदर्श गौशाला में प्रकृति संरक्षण शैक्षणिक यात्रा का आयोजन हुआ

ग्वालियर। आदर्श गौशाला में प्रकृति संरक्षण शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण और संस्कृति संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल के कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीकृष्णायन के संतों द्वारा आदर्श गौशाला में छात्रों के स्वागत से हुई। इसके बाद गौ पूजन और तिलक समारोह आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों ने गौ माता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। छात्रों ने गौशाला का भ्रमण किया, जिसमें उन्होंने गायों की देखभाल और संरक्षण की प्रक्रिया को नजदीक से देखा। उन्हें ष्स्क्रैप से संपत्तिष् पहल के अंतर्गत कचरे से धन सृजन के तरीके, उर्वरक और ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद, एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण और संस्कृति संरक्षण पर चर्चा की गई। छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार वे छोटे-छोटे बदलाव कर पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं, जैसे कि सुबह उठकर माता-पिता को प्रणाम करना, स्वास्थ्यवर्धक भोजन ग्रहण करना, अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखना और पॉलिथीन का उपयोग बंद करने का संकल्प लेना।

गंदगी करने वाले दुकानदारों से वसूला 45 हजार का जुर्माना, अमानक पालीथिन की जब्त

ग्वालियर। नगर निगम ने गंदगी करने वाले दुकानदारों पर शनिवार को सख्त कार्रवाई की है। साथ ही सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लगाया है। शनिवार को नगर निगम की विभिन्न टीमों ने ग्वालियर, दक्षिण एवं पूर्व विधानसभा में कार्रवाई कर 45000 से अधिक का जुर्माना वसूल कर ब?ी मात्रा में अमानक पॉलिथीन जप्त की है।

निगम अमले ने शनिवार को हुजरात पुल कमर्शियल एरिया में बर्गर बाइट के संचालक द्वारा गंदगी करने एवं कचरा जलाने पर चालानी कार्रवाई कर 5 हजार का जुर्माना वसूला। इसी प्रकार एबी गोल पहाड़िया स्थित रोड पर गंदगी करने वाले

दुकानदारों एवं ठेले संचालकों पर कार्रवाई कर 6 हजार का जुर्माना वसूला गया। वहीं दोलतगंज से खुर्जा वाला मोहल्ला में गंदगी फैलाने पर 6 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। वार्ड 41 में 1000 का जुर्माना कर 9 किलो 400 ग्राम पॉलीथिन जप्त की। निगम अमले ने किला गेट क्षेत्र में गंदगी करने वाले दुकानदारों पर 5050 रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही 5 किलो अमानक पॉलिथीन भी जप्त की गई। वार्ड 45 में प 2800 रूपए का जुर्माना लगाया तथा 9 रसीद काटी। साथ ही वार्ड 56 में 7 रसीद काटकर 2200 रुपए का जुर्माना किया गया। वही वार्ड 21 में गोला का मंदिर चैराहा मुरार रोड मैक्स पैथोलॉजी लैब द्वारा खुले में बायोमेट्रिक कचरा सिरिंज फेंकी जा रही थी उन पर 1000 का जुर्माना किया गया। ट्रांसपोर्ट नगर में निगम दल द्वारा गंदगी और अतिक्रमण हटाने को लेकर 16000 रुपयों का जुर्माना किया गया।

रेत के अवैध परिवहन में लिप्त चार वाहन जब्त

ग्वालियर । जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में जिला प्रशासन के निर्देश पर गई खनिज विभाग की टीम ने झाँसी रोड़, पुरानी छावनी व टेकनपुर क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान बगैर रॉयल्टी के मिले रेत से भरे दो मिनी ट्रक, एक डम्पर व एक ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त की गई है। जब्त किए गए इन वाहनों को नजदीकी पुलिस थाने में पहुँचाया गया है। साथ ही रेत के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि शनिवार को झाँसी रोड़ पर रेत से भरे वाहनों की गहन जाँच-पड़ताल की गई। इस दौरान रेत के ट्रेक्टरों पर रॉयल्टी पाई गई, किंतु दो मिनी ट्रक बिना रॉयल्टी के मिले। इन मिली ट्रकों को जब्त कर पुलिस थाना झांसी रोड़ में रखवाया गया है। इसी तरह पुरानी छावनी क्षेत्र से बिना रॉयल्टी के मिला रेत का एक डम्पर जब्त कर पुरानी छावनी थाने में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। उन्होंने बताया कि टेकनपुर क्षेत्र में भी खनिज विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर रेत का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रेक्टर ट्रॉली को जब्त कर पुलिस थाने भिजवाया है। बिना रॉयल्टी के पकड़े गए इन सभी वाहनों एवं उनके संचालकों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

चिकित्सा विद्यार्थी खुलकर अपनी समस्याएँ बताएँः डॉ. धाकड़

ग्वालियर। चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी अपनी समस्यायें खुलकर बताएँ। अधिष्ठाता सहित सभी प्राध्यापकों व आचार्यगणों को अपना स्थानीय अभिभावक समझें। आप सबकी हर समस्या का समाधान किया जायेगा। यह बात गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर के एस धाकड़ ने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों से सीधे संवाद के दौरान कही। अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने चिकित्सा विद्यार्थियों से चर्चा कर छात्रावास की सुविधाएँ व सुरक्षा व्यवस्था तथा पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। साथ ही भरोसा दिलाया कि हर समस्या का समाधान पूरी शिद्दत के साथ किया जायेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सब भविष्य के चिकित्सक हैं। इसलिए अपने व्यवहार व बोलचाल में संवेदनशीलता का समावेश करें, जिससे आप सब उत्कृष्ट चिकित्सक बन सकें।जीआर मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ द्वारा महाविद्यालय के चिकित्सा विद्यार्थियों से लगातार संवाद कर उनकी कठिनाईयाँ व समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने शनिवार को सेकेंड प्रोफ एमबीबीएस के विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। समस्याओं के समाधान की इस पहल से चिकित्सा छात्र काफी संतुष्ट और प्रसन्नचित नजर आए।

शासकीय सेवको के लिये आयोजित आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

ग्वालियर । राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग द्वारा ग्वालियर में विभिन्न विभागों के शासकीय सेवको हेतु आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आई.आई. टी.टी.एम.) में आयोजित हुए प्रशिक्षण सह कार्यशाला में ग्वालियर संभाग के भिन्न-भिन्न शासकीय विभागों से लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर सुश्री दीप्ति उपाध्याय ने आनंद की ओर टूल्स के माध्यम से स्वयं से व स्वयं के आनंद से जु?ने का महत्व बताया। मास्टर ट्रेनर हितेन्द्र बुधौलिया ने जीवन के लेखा-जोखा टूल के माध्यम से मानवीय जीवन में निश्वार्थ मदद मिलने, देने के भाव का अनुभव करवाते हुए एवं दुख देने वाले को क्षमा करने इत्यादि की जानकारी गतिविधि के माध्यम से समझाई। मास्टर ट्रेनर बालकृष्ण शर्मा ने जीवन में चिंता व भय को समझने व उन्हें दूर करने के लिए मैप के माध्यम से उन चिंताओं पर कैसे कार्य करना है, इसकी प्रक्रिया समझाई। मास्टर ट्रेनर सुधीर आचार्य ने फ्रीडम ग्लास के उदाहरण से क्रोध, इर्ष्या, बुरे विचार व दुख के विचारों को स्वयं से मुक्त कर आनंदित रहने की यात्रा पर प्रकाश डाला। भोपाल से आये मास्टर ट्रेनर हिमांशु भरत ने स्वयं की यात्रा की संपूर्णता को विभिन्न उदाहरण से समझाया। साथ ही मौन का महत्व व शक्ति को बताया। इसी क्रम में धीरेंद्र चतुर्वेदी ने भी सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर सभी प्रतिभागियों से चर्चा की एवं सुविधा,समझ, संबंध एवं न्याय व्यवस्था के साथ जीने की प्रक्रिया को बहुत ही सरल शब्दों में समझायाद्य अंत मे प्रतिभागिओ से फीडबैक व प्रमाण-पत्र वितरित किये गए हर्ष उल्लास के साथ कार्यक्रम का समापन किया।कार्यक्रम में आभार व्यक्त जिला समन्वयक आनंद विभाग हेमंत त्रिवेदी के द्वारा किया गया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478